

आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,मंगलवार 24 नवंबर 2026 ■ कार्तिक शुक्ल पक्ष-15 ■ वर्ष -42 ■ अंक-234 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 25 नवंबर 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

अकाली दल से होगा सीएम का चेहरा, अमित शाह का ऐलान

चंडीगढ़,24 नवंबर। पंजाब की राजनीति में आज एक बड़ा सियासी घटनाक्रम देखने को मिला है। आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल (SAD) के बीच एक बार फिर गठबंधन का ऐलान हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी घोषणा की। हालांकि सीट शेयरिंग का फॉर्मूला अभी तय नहीं हुआ है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि भाजपा गठबंधन में कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सूत्रों की मानें तो नई व्यवस्था के तहत, बीजेपी 50 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है, जबकि बाकी 67 सीटें SAD के लिए छोड़ी जा सकती हैं। इस दौरान अमित शाह ने साफ कर दिया कि अकाली दल ही पंजाब में बड़े भाई की भूमिका में होगी। जब उनसे पूछा गया कि सीएम का चेहरा किस पार्टी से होगा तो अमित शाह ने कहा, "जो बड़ा भाई होता है, वही मुख्यमंत्री बनता है। जो भी बड़ा भाई है, वही मुख्यमंत्री बनेगा।" उन्होंने कहा, "भारतीय जनता पार्टी (BJP) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की सबसे बड़ी खूबी यह है कि जहां भी NDA की सरकार रही है, वहां कानून-व्यवस्था हमेशा दुरुस्त रही है। हमारे दोनों दलों ने पंजाब से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की है और हम इन पर एकमत हैं। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता पंजाब को नशा-मुक्त बनाना, सीमावर्ती राज्य में सुरक्षा के लिए कानून-व्यवस्था को ठीक करना और इन गिरोहों (गैंग्स) का सफाया करना होगी। यह हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है और दोनों दलों के घोषणापत्रों में भी यही सबसे प्रमुख मुद्दा होगा।" अमित शाह ने कहा, "पिछले तीन महीनों में, नितिन नवीन



और सुखबीर सिंह बादल के बीच पंजाब के किसानों की चुनौतियों, राज्य के आर्थिक विकास से जुड़ी चिंताओं और वहां के युवाओं के सामने मौजूद रोजगार के मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई है। इन चर्चाओं के आधार पर एक रोडमैप तैयार हुआ है, जो NDA सरकार के लिए एक मार्गदर्शक रूपरेखा का काम करेगा, जिसे हम बनाने जा रहे हैं..." भाजपा और शिरोमणि अकाली दल का गठबंधन करीब दो दशक से अधिक पुराना रहा है। दोनों दलों ने 1990 के दशक के मध्य में साथ आकर पंजाब की राजनीति में एक मजबूत चुनावी साझेदारी बनाई थी। इस गठबंधन में अकाली दल मुख्य रूप से ग्रामीण और सिख बहुल क्षेत्रों में अपनी राजनीतिक पकड़ के आधार पर चुनाव लड़ता था, जबकि भाजपा का आधार शहरी और हिंदू बहुल इलाकों में रहा। लेकिन सितंबर 2020 में केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों को लेकर दोनों दलों के रास्ते अलग हो गए। कृषि कानूनों के खिलाफ पंजाब में किसानों का व्यापक विरोध हो रहा था। अकाली दल पर अपने पारंपरिक किसान समर्थक आधार की नाराजगी का दबाव था। इसी पृष्ठभूमि में हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया और बाद में अकाली दल ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) से अलग होने का फैसला किया। इस फैसले के साथ भाजपा और अकाली दल की करीब 24 साल पुरानी राजनीतिक साझेदारी समाप्त हो गई थी।

50 व्यापारियों ने मंत्री को बनाया बंधक!

अंबिकापुर,24 नवंबर। सोशल मीडिया पर छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह थाना प्रभारी को फटकार लगाते दिख रहे हैं. कह रहे हैं अगर चोर नहीं पकड़े जा रहे, तो मुझे छुड़ाने आ जाएं या पुलिस टीम भेजें. पूरा मामला ट्रेडिंग कंपनी में हुए 50 लाख रुपये की चोरी से जुड़ा हुआ है. पुलिस कार्रवाई में देरी को लेकर व्यापारियों में भारी नाराजगी है. अग्रसेन भवन में सोमवार शाम को व्यापारी घटना से अवगत कराते हुए मंत्री राजेश अग्रवाल से कहते हैं कि पुलिस मामले में केस दर्ज करने के बाद कोई एक्शन नहीं ले रही है. आरोप लगाया कि थाना प्रभारी को खर्चा पानी भी दिया गया, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है. इसके बाद मंत्री राजेश ने जेब से अपना फोन निकाला और सीधे संबंधित कोतवाली थाना प्रभारी को कॉल मिलाया. मंत्री ने कहा कि 40-50 व्यापारियों ने मुझे बांधकर बैठा लिया है. अगर चोरों को नहीं पकड़ पा रहे हैं, तो मुझे छुड़ाने आ जाएं. मंत्री के इस तेवर के बाद थाना प्रभारी ने मामले में दो दिन के भीतर कार्रवाई करने की मोहलत मांगी. अब व्यापारियों को चोरी मामले में आरोपियों के खिलाफ एक्शन लेने की उम्मीद है. खरसिया नाका स्थित अग्रवाल ट्रेडिंग कंपनी के संचालक कान्हा अग्रवाल ने करीब एक महीने पहले कोतवाली थाना में 50 लाख रुपये के चोरी की शिकायत की थी. फर्म में पिछले छह साल से काम करने वाली बिलिंग ऑपरेटर अंजुम निशा और पूर्व कर्मचारी रविंद्र यादव उर्फ विक्की पर फर्जी सील और रसीदें तैयार करने का आरोप लगाया गया है. इसके माध्यम से बीते 4 महीनों में कंपनी का सामान पिकअप और अन्य वाहनों के जरिए गंगापुर स्थित एक अन्य गोदाम में खपाया गया. कंपनी कर्मचारी के खुलासे पर मिलान किया गया, तब 50 लाख रुपये से अधिक की हेराफेरी सामने आई. इस मामले में मंत्री के हस्तक्षेप के बाद पुलिस की कार्रवाई पर सभी की निगाहें हैं.





गुस्साए हाथी को भगाना महंगा पड़ा

कोरबा,24 नवंबर। छत्तीसगढ़ के कोरबा में ग्रामीणों को ट्रैक्टर से हाथी भगाना उस वक्त महंगा पड़ गया, जब गुस्साए हाथी ने उनपर हमला कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने किसी तरह अपनी जान बचाई, लेकिन हाथी ने ट्रैक्टर को निशाना बनाते हुए उसे बुरी तरह कुचलकर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला कुदमुरा वन परिक्षेत्र के जिल्गा जंगल का है। बताया जा रहा है कि जिल्गा जंगल में 11 हाथियों का झुंड मौजूद है। इसी दौरान कुछ ग्रामीण ट्रैक्टर लेकर हाथियों को जंगल से भगाने पहुंच गए।

छत्तीसगढ़ में एसीबी-ईओडब्ल्यू की कार्रवाई पर सीएम साय का बयान

पिछले तीन साल से दोषी लोगों पर कार्रवाई जारी

रायपुर,24 नवंबर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को प्रकाश पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) की लगातार हो रही कार्रवाई को लेकर बड़ा बयान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पिछले तीन साल से दोषियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। सीएम साय ने आगे कहा कि जो भी लोग जांच में दोषी पाए जा रहे हैं, उनके खिलाफ सख्ती के साथ कार्रवाई की जा रही है। सरकार की ओर से किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जा रहा है। एसीबी और ईओडब्ल्यू द्वारा विभिन्न मामलों में की जा रही कार्रवाई को लेकर मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बता दें कि हाल ही में कोरबा में एसीबी की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली थी। टीम ने रिश्वतखोरी मामले में जीएसटी असिस्टेंट कमिश्नर आंचल गिरी को गिरफ्तार किया था। आंचल गिरी पर कबाड़ी कारोबारी से गाड़ी छोड़ने के एवज में डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है। शिकायत पर एसीबी की टीम ने 21 नवंबर को उसे रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था, जिसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। छत्तीसगढ़ राज्य कर आयुक्त ने निलंबन कार्रवाई के संबंध में आदेश भी जारी कर दिया।

निकाय चुनाव को लेकर क्या बोले सीएम?

आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सभी चुनाव महत्वपूर्ण होते हैं। पंच से लेकर हर स्तर का चुनाव अपनी जगह महत्वपूर्ण है। उन्होंने चुनाव को लेकर अपनी बात रखते हुए कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हर चुनाव का महत्व है।

50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से आए बाहर, पीएम मोदी का जताया आभार

देश में 50 करोड़ लोगों के गरीबी रेखा से बाहर आने के दावे पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पूरे



छत्तीसगढ़ की ओर से प्रधानमंत्री का धन्यवाद करते हैं। पहले ये लोग अति गरीब की श्रेणी में आते थे, लेकिन अब उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। यह एक बड़ी उपलब्धि है।

हाथियों के आतंक पर बोले सरकार और वन विभाग सजग

प्रदेश में हाथियों के बढ़ते आतंक को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्या जरूर है, लेकिन सरकार और वन विभाग पूरी तरह सजग हैं। लोगों को लगातार सावधान किया जा रहा है। साथ ही लोगों के मोबाइल फोन पर भी हाथियों की मौजूदगी और संभावित खतरे को लेकर सूचनाएं भेजी जा रही हैं, ताकि किसी तरह की अनहोनी से बचा जा सके।

विकास कार्यों के लोकार्पण-भूमिपूजन की दी जानकारी

वहीं सीएम साय ने भिलाई, चरोदा और रिसाली नगर निगम क्षेत्रों में होने वाले विकास कार्यों के लोकार्पण के साथ भूमिपूजन कार्यक्रम को लेकर जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन तीनों निगम क्षेत्रों में पिछले दिनों जो काम पूरे हुए हैं, उनका लोकार्पण किया जाएगा। वहीं, स्वीकृत विकास कार्यों का भूमिपूजन भी होगा। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव और मंत्री गजेंद्र यादव भी शामिल होंगे।

ट्रक ने खड़ी बस को मारी टक्कर, चार स्कूली छात्रों की मौत

कन्नौज ,24 नवंबर । उत्तर प्रदेश के कन्नौज में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार स्कूली छात्रों की मौत हो गई, जबकि करीब 35 बच्चे घायल हो गए। यह हादसा ठठिया थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे के 209 किलोमीटर पर हुआ। जानकारी के अनुसार, आगरा से स्कूली बच्चों को पिकनिक पर लेकर बस कौशांबी गई थी। मंगलवार को सभी बच्चे वापस लौट रहे थे। इसी दौरान एक्सप्रेसवे पर बस खड़ी थी, तभी पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस में सवार बच्चों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के समय बस में करीब 50 छात्र और छह शिक्षक सवार थे। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य चलाकर घायलों को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज तिर्वा पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। हादसे की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री और पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मेडिकल कॉलेज पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने घायल बच्चों का हालचाल जाना और चिकित्सकों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। हादसे के बाद पुलिस घटना की जांच में जुट गई है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि कौशाम्बी से लगभग 50 छात्रों और स्टाफ को लेकर आ रही एक स्कूल बस मथुरा से लौट रही थी। सुबह करीब 5:45 बजे, आगरा से लखनऊ की तरफ आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर 209वें किलोमीटर के पास एक ट्रक ने बस को पीछे से टक्कर मार दी। तिरवा मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा सेंटर में चार बच्चों को मृत घोषित कर दिया गया। स्कूल के प्रिंसिपल और एक अन्य बच्चा गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें कानपुर रेफर किया जा रहा है, जबकि मामूली रूप से घायल 22 बच्चों का इलाज तिरवा मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

फैक्ट्री की यूनिट में लगी आग, बड़ा हादसा टला

भिलाई,24 नवंबर। दुर्ग जिले के अरसनारा स्थित शिवा इंफ्रारेड प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में देर रात आग लगने से हड़कंप मच गया फैक्ट्री की एक यूनिट में अचानक उठी आग की लपटों ने बड़े हादसे की आशंका पैदा कर दी हालांकि, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे अग्निशमन दल ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पा लिया और उसे दूसरी यूनिटों तक फैलने से रोक दिया फैक्ट्री की एक यूनिट में अचानक भड़की आग जानकारी के मुताबिक, घटना मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात करीब 12:27 बजे की है। नंदिनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अरसनारा स्थित शिवा इंफ्रारेड फैक्ट्री की एक यूनिट में अचानक आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा की टीम तत्काल रवाना हुई और मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। अग्निशमन कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण हासिल किया। टीम की तेजी और सूझबूझ के चलते आग फैक्ट्री के दूसरे हिस्सों और आसपास के क्षेत्र तक नहीं पहुंच सकी। इससे संभावित बड़ा नुकसान टल गया समय रहते आग पर पाया काबूराहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई समय रहते आग पर काबू पाने से फैक्ट्री परिसर में एक बड़े हादसे की आशंका टल गई। फिलहाल आग लगने के कारण और संपत्ति को हुए नुकसान के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है



नौकरी के नाम पर 5.90 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

भिलाई,24 नवंबर। नगर निगम रायपुर एवं मंत्रालय में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 5 लाख 90 हजार रुपए की धोखाधड़ी करने वाले फरार आरोपी को सुपेला पुलिस ने छतरपुर (मध्यप्रदेश) से गिरफ्तार किया है सुपेला टीआई एस एन सिंह ने बताया कि प्रार्थी तापस मंडल ने आरोपी अंकित कुमार रैकवार (24 साल) निवासी वार्ड क्रमांक 69, साईं मंदिर के पीछे, शिवम विहार, रायपुर थाना डीडी नगर के विरुद्ध नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी किए जाने के संबंध में न्यायालय के समक्ष धारा 175 (3) बीएनएसएस के तहत परिवाद प्रस्तुत किया गया था। प्रार्थी के अनुसार आरोपी ने नगर निगम रायपुर में नौकरी दिलाने का झांसा देकर प्रारंभ में 50,000 रुपए प्राप्त किए गए थे नौकरी नहीं लगने पर आरोपी ने उक्त राशि वापस कर दी गई इस के पश्चात मंत्रालय में कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर नौकरी दिलाने का आश्वासन देकर 21 मई 2025 से 24 अगस्त 2025 के मध्य अलग-अलग तिथियों एवं विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से कुल 5,90,000 रुपये प्राप्त किए गए थे। न्यायालय के आदेश पर थाना सुपेला में धारा 318(4) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की।



विवेचना के दौरान प्रार्थी एवं अन्य गवाहों के कथन दर्ज किए गए तथा संबंधित बैंकों से रकम के लेनदेन की जानकारी प्राप्त की गई। अपराध पंजीबद्ध होने के पश्चात आरोपी को विवेचना में उपस्थित होने के लिए कई बार निर्देशित किया, किंतु आरोपी उपस्थित नहीं हुआ। थाना सुपेला पुलिस टीम लगातार तलाश करने पर आरोपी अंकित कुमार रैकवार को छतरपुर (मध्यप्रदेश) से हिरासत में लेकर थाना सुपेला लाया गया। पूछताछ में आरोपी ने प्रार्थी से प्राप्त रकम विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से लेना तथा खर्च करना स्वीकार किया। आरोपी ने प्रार्थी को 10,000 रुपये वापस करना भी बताया गया। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है.

ट्रक और स्कॉर्पियो की टक्कर, 5 लोगों की मौत

पटना ,24 नवंबर । बिहार के लखीसराय में मंगलवार को स्कॉर्पियो और ट्रक के बीच आमने-सामने की टक्कर में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक बच्चा और दो महिलाएं शामिल हैं। इस घटना में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा मंगलवार सुबह लखीसराय के तेतरहट थाना क्षेत्र में गुनसागर गांव के पास लखीसराय-जमुई मुख्य मार्ग पर हुआ। बताया गया कि स्कॉर्पियो जमुई से देवघर की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे एक ट्रक से उसकी टक्कर हो गई।

अवैध धान के कारोबार पर प्रशासन का शिकंजा, 1441 क्विंटल से अधिक धान जब्त

रायपुर,24 नवंबर। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी और किसान हितैषी बनाए रखने के लिए धमतरी जिला प्रशासन ने अवैध धान के भंडारण, परिवहन और पुनर्चक्रण के विरुद्ध निगरानी तेज कर दी है। सीमावर्ती क्षेत्रों से लेकर व्यापारिक प्रतिष्ठानों और धान भंडारण स्थलों तक विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन की सतत निगरानी और कार्रवाई के परिणामस्वरूप जिले में अब तक 32 प्रकरण दर्ज कर 1,441.05 क्विंटल अवैध धान जब्त किया गया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध मंडी अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। दूसरे राज्यों से धान लाकर समर्थन मूल्य पर खपाने की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी व्यवस्था मजबूत की है। ओडिशा सीमा से लगे बोराई (घुटकेल), बांसपानी, बनरौद, सांकरा, जैतपुरी और मोहेरा में छह चेकपोस्ट स्थापित किए गए हैं। इन चेकपोस्टों पर नगर सैनिकों के साथ वन, मंडी एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की तैनाती की गई है। जांच दलों द्वारा धान परिवहन करने वाले वाहनों की निगरानी के साथ संदिग्ध वाहनों के दस्तावेजों और संबंधित अभिलेखों का परीक्षण किया जा रहा है। अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला एवं विकासखंड स्तर पर विशेष उड़नदस्ता दल गठित किए गए हैं। इनमें राजस्व, खाद्य, मंडी, सहकारिता और कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। ये दल धान उपार्जन व्यवस्था से जुड़े संवेदनशील क्षेत्रों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों, गोदामों और संदिग्ध भंडारण स्थलों का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। जांच के दौरान



अनियमितता मिलने पर संबंधित प्रकरणों में नियमानुसार जब्ती एवं वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का लाभ वास्तविक और पात्र किसानों तक पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। अवैध रूप से संग्रहित धान, अन्य राज्यों से लाए गए धान तथा पहले से खरीदे गए धान के पुनर्चक्रण के माध्यम से सरकारी खरीदी व्यवस्था का अनुचित लाभ उठाने की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसके लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर सूचना संकलन, जांच और कार्रवाई की व्यवस्था को प्रभावी बनाया गया है। जिला प्रशासन ने दोहराया है कि धान खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता, अवैध भंडारण अथवा बिना वैध दस्तावेजों के परिवहन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों और प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही उपार्जन केंद्रों में अपना धान विक्रय करें। साथ ही अवैध धान भंडारण, परिवहन अथवा खरीदी से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि धान खरीदी व्यवस्था की पारदर्शिता बनी रहे और शासन की किसान हितैषी व्यवस्था का लाभ पात्र किसानों को मिल सके।

महिला से लाखों की धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



भिलाई, 24 नवंबर। पीड़िता के साथ शादी करने एवं रायपुर के स्कूल में स्थानांतरण कर पदस्थ कर देने का झांसा देते हुए आरोपी ने 6 लाख रुपए की धोखाधड़ी कर ली थी। इस मामले में दुर्ग सिटी कोतवाली थाने पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अर्जुन कसेर (34 साल) निवासी सारंगढ़ जिला रायपुर को पकड़ लिया है और उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है दुर्ग सीएसपी देवांस सिंह राठौर ने बताया कि प्रार्थिया श्रीमती सुषमा ठाकुर शासकीय प्राथमिक शाला नवागांव जिला दुर्ग में पदस्थ है। उसके पति राजेंद्र ठाकुर का 24 अक्टूबर 2024 को स्वर्गवास हो गया था परिवार के पालन पोषण की जिम्मेदारी प्रार्थिया पर थी 23 मई 2026 को उसकी अर्जुन कसेर नाम के व्यक्ति से मोबाइल पर बातचीत हुई इस दौरान मोबाइल से अर्जुन कसेर ने उसे कहा कि आगे फ्यूचर के लिए क्या सोची हो तब प्रार्थिया ने कहा कि वह विधवा है उसके दो बच्चे हैं उसकी सास उसके साथ में रहती है इस पर मोबाइल धारक अर्जुन कसेर बोला कि मैं भी तलाकशुदा हूं और सिंचाई विभाग में क्लर्क पद पर नौकरी करता हूं मैं भी दूसरी शादी करना चाहता हूं इस पर पीड़िता ने कहा कि वह उसके साथ अभी शादी करने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि उसे आगे और पढ़ाई करना है और बड़ी पोस्ट मिलने के बाद ही वह शादी के बारे में सोच सकती है इस पर आरोपी अर्जुन कसेर ने फोन के माध्यम से बार-बार झांसा देते हुए कहा कि मैं तुम्हारा स्थानांतरण शासकीय प्राथमिक शाला नवागांव से रायपुर के नजदीक करवा देता हूं, इसके लिए लगभग सात लाख रुपए का खर्चा आएगा। तुम्हारे पास वर्तमान में जो राशि है वह मुझे दे दो मैं तुम्हें रायपुर के आसपास अपने नजदीक स्थानांतरण करवा दूंगा और दोनों भी शादी कर लेंगे। उसकी बातों में फंसकर पीड़िता ने कहा कि उसके पास पैसे नहीं है लोन लेना पड़ेगा। तब अर्जुन कसेर बोला कि 6 लाख रुपए मुझे दे दो अपनी ओर से मैं 1 लाख रुपए मिलाकर अधिकारी को दे देता हूं तब तुम्हारा स्थानांतरण शासकीय प्राथमिक शाला नवागांव से रायपुर के आसपास हो जाएगा जैसे ही तुम्हारा स्थानांतरण रायपुर होगा वैसे ही मैं तुमसे शादी कर लूंगा और दोनों पति-पत्नी जैसे रहेंगे। उसके झांसे में आकर पीड़िता ने 6 लाख पर्सनल लोन लेकर आरोपी अर्जुन को दे दिए थे पैसा लेने के बाद आरोपी ने आश्वासन दिया था कि तुम्हारा स्थानांतरण जल्द हो जाएगा और दोनों शादी करने के बाद रायपुर में एक साथ रहेंगे। कुछ दिन बाद पीड़िता ने अर्जुन कसेर से कहा कि तुम तलाकशुदा हो तो तलाक प्रमाण पत्र दिखाओ, उसे व्हाट्सएप पर भेजो। सिंचाई विभाग में नौकरी कर रहे हो तो ज्वाइनिंग आदेश की कॉपी व्हाट्सएप करो। इसके बाद आरोपी टालमटोल करते हुए कहा कि उसके पिता की तबीयत खराब है बाद में वह सभी कागजात भेज देगा। शक आने पर पीड़िता ने थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी दुर्ग सीएसपी ने बताया कि आरोपी ने इससे पूर्व भी स्मृति नगर चौकी क्षेत्र में एक महिला से कृषि विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देते हुए डेढ़ लाख रुपए की धोखाधड़ी कर चुका है ।



अंतरराष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के बृजेश तिवारी को तृतीय पुरस्कार

भिलाई, 24 नवंबर। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ चित्रकार बृजेश तिवारी को यूएस आर्ट गैलरी द्वारा आयोजित लियोनार्दो दा विंची अंतरराष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता की एब्स्ट्रैक्ट श्रेणी में उन्हें तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। करीब 40 वर्षों से कला साधना में जुटे बृजेश तिवारी छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित चित्रकारों में शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने अनेक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान हासिल किए हैं। वे विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय चित्रकला शिविरों में भी छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।



ग्राम पंचायत कातरो एक दिन में खुले 77 ग्रामीणों के बैंक खाते

निगम चुनाव के लिए भाजपा ने बनाई रणनीति, बूथ मजबूती पर जोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 24 नवंबर। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल की पहल एवं यूको बैंक के सहयोग से ग्राम पंचायत कातरो में ग्रामीण विकास की अनूठी मिसाल पेश की गई। 21 नवंबर को आयोजित विशेष शिविर में एक ही दिन में 77 बैंक खाते खोले गए, जबकि 125 ग्रामीणों के आवेदन प्राप्त हुए शिविर के साथ ही 150 हितग्राहियों ने 2 किलोवाट के निःशुल्क सोलर पैनल लगवाने के लिए आवेदन किया।

इस पहल का उद्देश्य ग्राम कातरो को पूर्णतः सोलर ग्राम बनाकर प्रत्येक परिवार को स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा से जोड़ना है। खास बात यह रही कि यूको बैंक की टीम ने ग्राम पंचायत भवन पहुंचकर ग्रामीणों के खाते खोले और तत्काल खाता नंबर उपलब्ध कराए। इस कार्य में यूको बैंक नेहरू नगर, भिलाई की शाखा प्रबंधक श्रीमती दुर्गावती का विशेष सहयोग रहा। सांसद विजय बघेल की विकास परिकल्पना को साकार करती इस पहल पर सरपंच श्री जीतेन्द्र कुमार सोनी ने आभार व्यक्त करते हुए ग्राम कातरो को देश का नंबर वन सोलर ग्राम बनाने का संकल्प दोहराया। ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधा गांव में उपलब्ध कराने और स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ने की यह पहल ग्राम कातरो को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

एक नजर

पीएम मोदी का आग्रह जनहित में होता है:साव



भिलाई, 24 नवंबर (तछसं.)। भिलाई के सेक्टर -1में कथा सुनने पहुंचे में उप मुख्यमंत्री अरुण साव से मीडिया चर्चा में ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोना खरीदने को लेकर की गई अपील का समर्थन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जब भी देशवासियों से कोई आग्रह करते हैं, वह निश्चित रूप से जनता के हित में होता है उनका आग्रह भी जनहित में था और यह प्रमाणित हुआ है उप मुख्यमंत्री अरुण साव कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सत्ता में रहते हुए अपने स्वार्थ के लिए संविधान को तार-तार करने वाले नेता आज सत्ता से बाहर होने के बाद संविधान की बात कर रहे हैं कांग्रेस के नेता संविधान हाथ में लेकर चलते हैं, लेकिन न तो उसे समझते हैं और न ही उसका पालन करते हैं वे संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने और देश में अराजकता फैलाने का काम कर रहे हैं ।

अवैध शराब के 12 मामले दर्ज

भिलाई, 24 नवंबर (तछसं.)। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आबकारी अधिनियम के 13 प्रकरणों में 14 आरोपियों के विरुद्ध पुलिस ने कार्रवाई की है पुलिस ने बताया कि विभिन्न थाना क्षेत्रों में आबकारी अधिनियम के कुल 12 प्रकरण दर्ज किए गए हैं इनमें थाना नंदिनी, जामगांव, अमलेश्वर, भिलाई नगर, धमधा, बोरी, पाटन एवं दुर्ग की कार्रवाई शामिल है। इन प्रकरणों में अवैध शराब बिक्री तथा सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की है इसी क्रम में थाना उतई पुलिस को सूचना मिली कि गोल्डन कॉम्प्लेक्स उतई के पास दो व्यक्ति अवैध रूप से शराब बिक्री करने के उद्देश्य से ग्राहक तलाश कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी एमेन्द्र वर्मा के कब्जे से सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में रखे 30 पौवा शोले कंपनी की देशी प्लेन शराब तथा आरोपी शुभम महिपाल के कब्जे से शराब बिक्री की नगदी रकम 150 रुपए जब्त की है ।

दवा कारोबारी की सुरक्षा बढ़ाई गई



भिलाई, 24 नवंबर (तछसं.)। दुर्ग के दवा कारोबारी से 15 करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। 1-4 के पुलिस बल को 24 घंटे ड्यूटी पर तैनात कर दिया गया है। सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक एक एएसआई समेत 5 आरक्षक ड्यूटी करेंगे। दोपहर 2 बजे से रात 9 बजे के बीच एएसआई समेत 5 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। इसी तरह रात 9 से सुबह 9 बजे के बीच तीसरी टीम तैनात रहेगी। तीन आरक्षकों की अलग से रोटेशन में ड्यूटी लगाई गई है। इधर, क्राइम ब्रांच डीएसपी और टीआई रायपुर क्राइम ब्रांच के अधिकारियों से मिलने भी गए थे। इससे गैंग और इनवेस्टिगेशन संबंधी जानकारी जुटाई जा सके व्यापारी से 15 करोड़ की रंगदारी मांगने की जिम्मेदारी अमन साहू की गैंग ने ली है गैंग का एक सदस्य सुनील उर्फ मयंक सिंह रायपुर जेल मैं बंद है

राष्ट्रीय पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ को मिले तीन पदक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



भिलाई, 24 नवंबर। फेडरेशन कप एवं वेस्टर्न इंडिया महिला-पुरुष राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का सोमवार को शुभारंभ हुआ। पांच दिवसीय इस प्रतियोगिता में देश के 24 राज्यों से 500 से अधिक खिलाड़ी, प्रशिक्षक, निर्णायक एवं खेल पदाधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री शंकरा एजुकेशन सोसायटी के डायरेक्टर आई.पी. मिश्रा थे।

अध्यक्षता छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार बंछोर ने की। इस अवसर पर अर्जुन पुरस्कार विजेता एवं पावरलिफ्टिंग इंडिया के महासचिव पी.जे. जोसेफ, उपाध्यक्ष ई. सजीवन भास्करन, सह सचिव संजय शरदेसाई सहित जी. सुरेश बाबे, तुलसी सोनी, कैलाश जैन बरमेचा, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी एवं कोच कृष्णा साहू एवं नश्कर टंडन सहित अनेक खेल पदाधिकारी उपस्थित रहे। पहले दिन फेडरेशन कप की इक्विप्ड श्रेणी में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक हासिल किए। खुशाल पटेल ने 59 किलोग्राम पुरुष वर्ग में रजत, जयदीप साहू ने 66 किलोग्राम वर्ग में कांस्य तथा आसिफ अली खान ने 120 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में रजत पदक जीता। फेडरेशन कप के बाद 25 से 27 नवंबर तक वेस्टर्न इंडिया राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप होगी। प्रतियोगिता का समापन 27 नवंबर को शाम 4 बजे होगा। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता की मेजबानी से दुर्ग को पावरलिफ्टिंग के राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है। यह जानकारी छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के महासचिव कृष्णा साहू ने दी।

बेमौसम बारिश से धान की फसलतबाह , पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू बोले : किसानों को मुआवजा दे सरकार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 24 नवंबर। बेमौसम बारिश और पिछले 24 दिनों में आए तीन चक्रवाती तूफानों से प्रदेश के किसानों को भारी नुकसान हुआ है। खेतों में खड़ी तैयार धान की फसल बारिश और तेज हवाओं से गिरकर बर्बाद हो गई। वहीं खरीदी केंद्रों में पहुंचा धान भी बारिश की चपेट में आकर खराब हो गया।



पूर्व गृहमंत्री श्री ताम्रध्वज साहू ने इस पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से प्रभावित किसानों को तत्काल राहत देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि लाखों हेक्टेयर में फसल खराब होने के बावजूद सरकार ने अब तक नुकसान का सही आकलन नहीं कराया है, जिससे किसान खुद को ठगा महसूस कर रहा है। साहू ने सरकार से तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। दूसरी, धान खरीदी की तारीख 15 दिन आगे बढ़ाई जाए। तीसरी, खराब मौसम के कारण लैप्स हुए धान खरीदी टोकन दोबारा जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि किसान छत्तीसगढ़ की आत्मा है। संकट की इस घड़ी में सरकार को किसानों के साथ खड़ा होना चाहिए। मुआवजा देना सरकार की जिम्मेदारी है, एहसान नहीं।

विद्युत उपभोक्ता जागरूकता बैठक में फोरम की कार्यप्रणाली की दी गई जानकारी



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 24 नवंबर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत विद्युत संभाग साजा के देवकर उपसंभाग में विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम दुर्ग द्वारा विद्युत उपभोक्ता जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में विद्युत उपभोक्ताओं के साथ विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम दुर्ग के अध्यक्ष श्री पी.व्ही. सजीव तथा फोरम बीएसपी क्षेत्र के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार चौहान ने उपभोक्ताओं एवं विभागीय अमले को फोरम की कार्यप्रणाली की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्युत संबंधी विभिन्न प्रकार की शिकायतों, उनके निराकरण तथा फोरम में शिकायत दर्ज कराने की चरणबद्ध प्रक्रिया से अवगत कराया। इस दौरान वक्ताओं ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के विभिन्न प्रावधानों, निर्धारित मानकों एवं शिकायतों के निराकरण की समय-सीमा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही विद्युत प्रदाय संहिता के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा करते हुए उपभोक्ताओं की व्यावहारिक समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। बैठक में घरेलू, कृषि पंप, व्यावसायिक एवं औद्योगिक विद्युत कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं ने भी सहभागिता की। अंत में फोरम के पदाधिकारियों ने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

नंदिनी के पुराने बाशिंदों का महामिलन यादों और रिश्तों का बना उत्सव

भिलाई, 24 नवंबर। भिलाई स्टील प्लांट की लाइमस्टोन माइंस स्थित नंदिनी नगर में नंदिनियंस गेट-टुगेदर रीयूनियन का आयोजन हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपने पुराने स्कूल, अस्पताल, क्लब, सिनेमा हॉल, रेलवे स्टेशन, बाजार और आवासीय कॉलोनियों का भ्रमण किया। कभी गुलजार रहे इन स्थानों की वर्तमान जर्जर स्थिति देखकर लोग भावुक हो उठे और बीते दिनों की यादों में खो गए। शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। नंदिनी नगर की यादों पर आधारित स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। राघवेंद्र प्रताप सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया, जबकि रविशंकर सिंह ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर दिवंगत साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनका स्मरण किया गया। सम्मानित होने वालों में डीडी गुप्ता, आरएस बोहरे, एएन चतुर्वेदी, बालमुकुंद, ज्योत्सना द्विवेदी, पीवी साजन, सुरेश सिंह परिहार, आरती पाल, नरेंद्र दावड़ा, मुहम्मद जाकिर हुसैन, संगीता अस्थाना सहित अन्य विशिष्टजन शामिल रहे।

मितानिन दिवस पर युवा सरपंच रवि सिंगौर ने किया मितानिन बहनों का सम्मान



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 24 नवंबर। मितानिन दिवस के अवसर पर ग्राम सांकरा स्थित उपस्वास्थ्य केंद्र में मितानिन बहनों के सम्मान में स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मितानिन दिवस के 24 वर्ष पूर्ण होने पर उनके सेवा, समर्पण और योगदान को याद करते हुए युवा सरपंच एवं भाजयुमो मंडल अध्यक्ष रवि सिंगौर ने सभी मितानिन बहनों का सम्मान कियाइस दौरान रवि सिंगौर ने कहा कि मितानिन बहनें ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं। वे गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, स्वच्छता तथा स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनका सेवा और समर्पण समाज के लिए प्रेरणादायक है।कार्यक्रम में दुलेश्वरी सिंगौर, गंगा सिंगौर, पार्वती यादव, पूजा बंजारे, सुशीला शर्मा, दूरपति, परमेश्वरी एवं विक्टोरिया निर्मलकर सहित मितानिन बहनें उपस्थित रहीं। इस अवसर पर बूथ अध्यक्ष छोटू यादव, कामता सिंगौर सहित अन्य ग्रामीणजन मौजूद रहे। सभी ने मितानिन बहनों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें मितानिन दिवस की शुभकामनाएं दीं।

कार्तिक पूर्णिमा पर शिवनाथ नदी के टोहडी घाट में शिवरतन शर्मा ने लगाई आस्था की डुबकी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



भाटापारा, 24 नवंबर। कार्तिक पूर्णिमा और देव दीपावली के पावन अवसर पर मंगलवार प्रातः भाटापारा के समीप स्थित टोहडी घाट एवं सेमरिया घाट पर आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। ब्रह्म मुहूर्त से ही शिवनाथ नदी के तट पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। सूर्योदय होते-होते पूरा घाट श्रद्धालुओं से भर गया। महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों सहित हजारों लोगों ने पवित्र नदी में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

वरिष्ठ भाजपा नेता शिवरतन शर्मा भी प्रातः टोहडी घाट पहुंचे। उन्होंने पूरी श्रद्धा और विधि-विधान के साथ शिवनाथ नदी में आस्था की डुबकी लगाई। स्नान के पश्चात उन्होंने भगवान भोलेनाथ, भगवान कार्तिकेय और शिवनाथ नदी की पूजा-अर्चना की, नदी में दीप प्रवाहित किए, पुष्प अर्पित किए और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, शांति और खुशहाली की मंगलकामना की। इस अवसर पर शिवरतन शर्मा ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा केवल स्नान का पर्व नहीं है, बल्कि यह आत्मशुद्धि, सेवा और समर्पण का पर्व है। उन्होंने कहा कि शिवनाथ नदी छत्तीसगढ़ की आस्था, संस्कृति और जीवनधारा का प्रतीक है और इसके तट पर आकर मन को अद्भुत शांति मिलती है। शिवरतन शर्मा ने कहा कि उन्होंने शिवनाथ नदी से यही प्रार्थना की है कि प्रदेश के हर घर में सुख-शांति बनी रहे, किसानों की फसल अच्छी हो, युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर मिलें और छत्तीसगढ़ निरंतर विकास की ओर अग्रसर रहे। सेमरिया घाट और टोहडी घाट पर सुबह से ही दीपदान, आरती और भजन-कीर्तन का दौर चलता रहा। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद दीपदान किया और अपने परिजनों के कल्याण के लिए प्रार्थना की। शिवरतन शर्मा ने घाट पर मौजूद वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं से मुलाकात की, उनका हालचाल पूछा और सभी को कार्तिक पूर्णिमा एवं देव दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।



अल मदद सोसाइटी के स्वास्थ्य शिविर में लोगों ने कराई जांच

भिलाई, 24 नवंबर। अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में फरीद नगर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सामान्य चिकित्सक एवं मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. एसके गुप्ता, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जावेद परवेज, दंत चिकित्सक डॉ. अमरीन, डॉ. विभा, डॉ. दिव्या तथा शरीर क्रिया विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. कोमल मेश्राम ने सेवाएं दीं। शिविर में मधुमेह, हृदय रोग, दंत रोग सहित सामान्य स्वास्थ्य संबंधी जांच एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई। साथ ही स्त्री रोग, बाल रोग और हड्डी रोग संबंधी समस्याओं पर भी मार्गदर्शन दिया गया।

ब्लास्ट फर्नेस ने हॉट मेटल उत्पादन का बनाया नया रिकॉर्ड



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 24 नवंबर। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-6 ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन दर्ज करते हुए 22 नवम्बर को 3,512 टन हॉट मेटल का उत्पादन किया। इस उपलब्धि के साथ फर्नेस ने 2 जुलाई 2025 को दर्ज किए गए अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 3,502 टन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

यह उपलब्धि फर्नेस के बेहतर परिचालन प्रदर्शन तथा कार्मिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। ब्लास्ट फर्नेस बिरादरी के सदस्यों ने केक काटकर इस उपलब्धि का जश्न मनाया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक मनोज कुमार, मुख्य महाप्रबंधक विवेक वर्मा एवं मुख्य महाप्रबंधक जगेंद्र कुमार सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।मुख्य महाप्रबंधक मनोज कुमार ने ब्लास्ट फर्नेस-6 के इस सर्वश्रेष्ठ उत्पादन रिकॉर्ड को हासिल करने में योगदान देने वाले सभी कार्मिकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कार्मिकों को इसी प्रकार समर्पित भाव से कार्य करते हुए उत्पादन में निरंतर वृद्धि के लिए प्रोत्साहित किया।

नोडल स्तरीय डांस प्रतियोगिता में कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने उत्साह से लिया हिस्सा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



उतई, 24 नवंबर। दीपशिखा विद्यालय डुमरडीह, उतई में दुर्ग जिला प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के बैनर तले नोडल स्तरीय डांस प्रतियोगिता संपन्न हुआ जिसमें उतई ,पुरई ,डुंडेरा और अंडा नोडल के प्राइवेट स्कूल के विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता इस शिक्षण सत्र का पांचवा प्रतियोगिता था। इसके पहले अलग-अलग स्कूलों में ड्राइंग, निबंध, रंगोली एवं गायन प्रतियोगिता बहुत ही सफलतापूर्वक संपन्न हुए। इस प्रतियोगिता में दीपशिखा विद्यालय उतई के संचालक डी एल सिन्हा, नव मंगल हाई स्कूल पुरई के संचालक श्री दयाराम साहू, राष्ट्रीय भारती स्कूल डुंडेरा के संचालक बी आर मौर्या द्रोणाचार्य पब्लिक स्कूल उतई के संचालक प्रवीण सिंह चौहान, सरस्वती शिशु मंदिर उतई के प्राचार्य होरीलाल साहू, शारदा ज्ञानपीठ मचांदूर के संचालक श्री के आर साहू, सनराइज पब्लिक स्कूल अंडा के संचालक श्री जितेंद्र साहू, शांति विद्या निकेतन डुंडेरा के प्राचार्य श्रीमती लक्ष्मी साहू दीपशिखा विद्यालय के प्राचार्य श्री के आर सिन्हा, नोबल एकेडमी हाई स्कूल धनोरा के प्रभारी प्राचार्य यशोदा साहू कुसुम देवी स्कूल डुंडेरा के संचालक विशाल छत्रिय तथा सभी स्कूलों के प्रभारी शिक्षक एवं प्रतिभागी विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। सर्वप्रथम विद्यालय में विराजित मां शारदा एवं छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । प्रतियोगिता में सभी प्राइवेट स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिए तथा सभी विद्यार्थियों ने अपने बेहतर प्रदर्शन करते हुए सभी को अपने नृत्य से मंत्र मुक्त कर दिए तथा दर्शकों का खूब मनोरंजन किए।

इस प्रतियोगिता के निर्णायक नव मंगल स्कूल की शिक्षिका श्रीमती कुमारी साहू दीपशिखा विद्यालय की शिक्षिका सुश्री दुहिता पटेल तथा शांति विद्या निकेतन हायर सेकेंडरी की शिक्षिका सुश्री दिलेश्वरी साहू रहे।इस कार्यक्रम के दौरान पिछली प्रतियोगिता रंगोली जो सरस्वती शिशु मंदिर उतई में आयोजित की गई थी ।उसके प्रावीण्य विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं मैडल से सम्मानित किया गया। जिसमें प्राथमिक विभाग से कु. साक्षी दीपशिखा विद्यालय प्रथम कृतिका साहू सरस्वती शिशु मंदिर तृषा नायक कुसुम देवी विद्यालय द्वितीय दीपांजलि साहू नोबल एकेडमी धनोरा विधि चंद्राकर द्रोणाचार्य विद्यालय तृतीय रहे। इसी प्रकार माध्यमिक विभाग से जागृति सगरवंशी नव मंगल स्कूल प्रथम सोनम साहू दीपशिखा विद्यालय गुंजन साहू कुसुम देवी विद्यालय द्वितीय रहे तोषी साहू सरस्वती शिशु मंदिर डिंपल साहू दीपशिखा विद्यालय तृतीय रहे। हाई स्कूल से ज्योतिका साहू नव मंगल स्कूल प्रथम विधि शर्मा दीपशिखा विद्यालय द्वितीय चांसी नव मंगल स्कूल विद्या साहू राष्ट्रीय भारती विद्यालय तृतीय रहे।कार्यक्रम में दीपशिखा पालक शिक्षक समिति के सदस्य श्री घनश्याम चंद्राकर ,प्रधान पाठक एन के चंद्राकर ,उप प्रधान पाठक एस आर सेन सरस्वती शिशु मंदिर के प्रभारी शिक्षक भोजराम साहू भूमिका साहू हेमलता वर्मा नेहा मनहरे भी उपस्थित रहे।

एक नजर

घरेलू हिंसा को किसी भी तरह नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए: राज्यपाल

रायपुर, 24 नवंबर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा गंभीर सामाजिक समस्याएं हैं। इन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कानूनों का सख्ती से पालन, संबंधित प्रवर्तन एजेंसियों की सक्रियता और समाज की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। घरेलू हिंसा को किसी भी स्थिति में सामान्य घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इसे गंभीरता से लेते हुए ऐसे मामलों का निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ निराकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समुदाय के साथ-साथ स्वयंसेवी संगठनों को भी इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने और पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा विषयक प्रशिक्षण सह कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। वे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि मानव तस्करी आज खतरनाक रूप ले चुकी है। अब इसका संबंध केवल लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव अंगों की मांग के कारण भी इसकी घटनाएं सामने आ रही हैं। यह एक गंभीर मुद्दा बन चुका है। इसलिए इस समस्या से निपटने के लिए कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन और संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। श्री डेका ने कहा कि पहले संयुक्त परिवारों की व्यवस्था थी, लेकिन अब एकल परिवारों की संख्या बढ़ रही है। घरेलू हिंसा पहले भी होती थी और आज भी हो रही है। अशिक्षा और बेरोजगारी जैसी परिस्थितियां भी इस समस्या को बढ़ा सकती हैं। घरेलू हिंसा का शिकार केवल गृहिणियां ही नहीं, बल्कि बाहर जाकर काम करने वाली महिलाएं भी होती हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा को किसी भी प्रकार की लत की तरह ही गंभीरता से समझने की जरूरत है, क्योंकि इसका दुष्प्रभाव व्यक्ति, परिवार और समाज सभी पर पड़ता है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए समाज को जागरूक करना होगा। परिवार के नैतिक मूल्यों और सामाजिक वातावरण की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिन मामलों में पारिवारिक या मनोवैज्ञानिक समस्याएं सामने आती हैं, उनमें उचित काउंसलिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए ।

सेवा सेतु केंद्र बना आम नागरिकों की सुविधा का मजबूत माध्यम

रायपुर, 24 नवंबर। शासन द्वारा आम नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, सहज और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित सेवा सेतु केंद्र लोगों के लिए सुविधाजनक साबित हो रहा है। इसी उद्देश्य से जिला कलेक्टोरेट परिसर मुंगेली में संचालित सेवा सेतु केंद्र आम नागरिकों के लिए सुविधा और सहूलियत का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहा है। केंद्र के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न महत्वपूर्ण शासकीय सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रही हैं, जिससे उनके समय, श्रम और संसाधनों की बचत हो रही है। मुंगेली विकासखंड के मजगांवपारा निवासी दीपक पात्रे को जिला कलेक्टोरेट परिसर स्थित सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र बनवाने की सुविधा प्राप्त हुई। पहले जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए नागरिकों को अलग-अलग प्रक्रियाओं की जानकारी जुटानी पड़ती थी। आवेदन और संबंधित दस्तावेजों के लिए विभिन्न कार्यालयों में जाना भी कई बार असुविधाजनक होता था। सेवा सेतु केंद्र की व्यवस्था से अब नागरिकों को इन सेवाओं के लिए एक ही स्थान पर मार्गदर्शन एवं आवेदन की सुविधा मिल रही है। इससे शासकीय सेवाओं तक आम लोगों की पहुंच आसान हो रही है। श्री दीपक पात्रे को जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र प्राप्त होने से उनकी आवश्यक शासकीय प्रक्रियाओं को पूरा करने की सुविधा मिली। ये प्रमाण पत्र शिक्षा, छात्रवृत्ति, विभिन्न शासकीय योजनाओं तथा अन्य जरूरी कार्यों में उपयोगी होते हैं। सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से मिली इस सुविधा से नागरिकों का समय और प्रयास बच रहा है। उन्होंने सेवा सेतु केन्द्र के संचालन के लिए शासन-प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अटूट श्रध्दा,दृढ़ निश्चय,निष्काम भक्ति से ध्रुव को हुए भगवान के दर्शन



- शुकदेव जन्म, सृष्टि वर्णन और राजा परीक्षित के जन्म की कथा सुन भावविभोर हुए भक्त

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा 24 नवंबर। नगर भाटापारा में आयोजित आठ दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन श्रद्धा और भक्ति की अविरल धारा बही। कथावाचक भागवत भूषण आचार्य पं. मनोज दुबे ने श्री शुकदेव जन्म, सृष्टि वर्णन, भक्त ध्रुव के चरित्र एवं राजा परीक्षित के जन्म के प्रसंगों का संगीतमय और भावपूर्ण वर्णन कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

आचार्य पं. मनोज दुबे ने श्री शुकदेव जन्म प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि शुकदेव जी का संपूर्ण जीवन वैराग्य, ज्ञान और ब्रह्मनिष्ठा का प्रतीक है। उन्होंने सांसारिक मोह-माया से दूर रहकर आत्मज्ञान और परमात्मा की प्राप्ति को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य माना। इसके पश्चात सृष्टि की उत्पत्ति, पालन और संहार के माध्यम से भगवान की व्यापक सत्ता एवं सृजन शक्ति का विस्तार से वर्णन किया।

कथा के प्रमुख प्रसंग भक्त ध्रुव चरित्र का वर्णन करते हुए आचार्य ने बताया कि बालक ध्रुव ने अपमान और उपेक्षा से आहत होकर भी निराशा को अपने जीवन पर हावी नहीं होने दिया। माता सुनीति के मार्गदर्शन से उन्होंने भगवान श्रीहरि की प्राप्ति का संकल्प लिया और कठोर तपस्या में लीन हो गए। उनकी अटूट श्रद्धा, दृढ़ निश्चय और निष्काम भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें दर्शन दिए तथा ध्रुव पद प्रदान किया। यह प्रसंग संदेश देता है कि सच्ची श्रद्धा, धैर्य और दृढ़ संकल्प के सामने कठिन से कठिन परिस्थिति भी बाधा नहीं बन सकती। वहीं राजा परीक्षित के जन्म प्रसंग में भगवान श्रीकृष्ण की कृपा और भक्तों की रक्षा के लिए उनकी प्रतिज्ञा का भावपूर्ण वर्णन किया गया। आचार्य ने बताया कि अश्वत्थामा के ब्रह्मास्त्र से उत्तरा के गर्भ में पल रहे बालक की रक्षा स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने की थी। यही बालक आगे चलकर राजा परीक्षित कहलाए, जिन्हें शुकदेव जी के मुखारविंद से श्रीमद्भागवत कथा सुनने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। मातादेवालय वार्ड मे स्व. वेदप्रकाश पटेल की वार्षिक श्राद्ध मे आयोजित यह धार्मिक अनुष्ठान 22 से 29 नवंबर 2026 तक चलेगा । कथा का शुभारंभ कलश यात्रा, वेदी पूजन एवं गौकर्ण कथा के साथ हुआ। प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक भागवत कथा का वाचन किया जायेगा।

शिक्षक की मेडिकल रिपोर्ट में शराबसेवन की पुष्टि नहीं हुई फिर भी प्राचार्य को हटाया गया : वंदिनी श्रीवास्तव

- हिस्ट्रीशीटर आशीष शुक्ला और उसके साथियों पर अपराध दर्ज करने की मांग, 17 सितंबर की घटना के बाद अब भी दहशत में हैं पूर्व प्राचार्य

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



बलौदाबाजार 24 नवंबर। चक्रपाणि स्कूल की पूर्व प्राचार्य वंदिनी श्रीवास्तव ने 17 सितंबर को स्कूल परिसर में हुई घटना को लेकर बलौदाबाजार प्रेस क्लब भवन में प्रेसवार्ता कर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जिस शिक्षक पर शराब के नशे में होने का आरोप लगाया गया था, उसकी मेडिकल रिपोर्ट में शराब सेवन की पुष्टि नहीं हुई और रिपोर्ट सामान्य आई। इसके बावजूद बिना उनका पक्ष सुने और बिना बयान दर्ज किए उन्हें तथा संबंधित शिक्षक को पद से हटाने जैसी कार्रवाई की गई।

वंदिनी श्रीवास्तव ने बताया कि 17 सितंबर को कुछ लोग स्कूल पहुंचकर एक शिक्षक के नशे में होने की शिकायत करने लगे। इसी दौरान निगरानी गुंडा-बदमाश की सूची में शामिल हिस्ट्रीशीटर आशीष शुक्ला अपने साथियों के साथ कथित तौर पर बिना अनुमति उनके कार्यालय में घुस आया। आरोप है कि उनके कार्यालय और स्कूल के नाबालिग छात्र-छात्राओं का जबरन वीडियो बनाया गया। मना करने के बावजूद महिला कर्मचारी के कक्ष में प्रवेश कर वीडियो बनाने और अभद्र व्यवहार करने के साथ शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई गई।

उन्होंने बताया कि घटना के बाद तहसीलदार एवं पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में संबंधित शिक्षक का मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें शराब सेवन की पुष्टि नहीं हुई। इसके बावजूद प्रशासन ने उनका पक्ष सुने बिना कार्रवाई की और उनसे जूनियर शिक्षक को प्राचार्य का प्रभार सौंप दिया गया। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

40 साल की सेवा के बाद भी मिला अपमान और दहशत का माहौल

वंदिनी श्रीवास्तव ने भावुक होते हुए कहा कि उन्होंने अपने लगभग 40 वर्षों के सेवाकाल में स्कूल के अनुशासन, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण और खेलकूद गतिविधियों को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम किया। उनके प्रयासों से विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन और शारीरिक विकास में भी सुधार हुआ तथा बच्चों को राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं तक पहुंचाने का अवसर मिला। लेकिन एक घटना ने उनके सम्मान और मानसिक शांति को गहरा आघात पहुंचाया है। उन्होंने बताया कि घटना के बाद से वह दहशत में हैं और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के चलते अब भी उपचार करा रही हैं।

थाने से गृह मंत्री तक गुहार, अब तक कार्रवाई नहीं

उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के बाद से लगातार थाना सिटी कोतवाली, पुलिस अधीक्षक और गृह मंत्री तक आवेदन देकर न्याय की मांग कर चुकी हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिला है। उनका कहना है कि मामले की जांच पूरी नहीं हुई और न ही अब तक संबंधित लोगों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हिस्ट्रीशीटर आशीष शुक्ला सोशल मीडिया पर उनके विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहा है, वहीं उसका भाई सूचना के अधिकार के तहत आवेदन देकर शिकायत वापस लेने का दबाव बना रहा है।

प्रेसवार्ता के माध्यम से वंदिनी श्रीवास्तव ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर हिस्ट्रीशीटर आशीष शुक्ला एवं उसके साथियों के विरुद्ध उचित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया जाए। साथ ही स्कूल में जबरन प्रवेश, नाबालिग बच्चों के वीडियो बनाने, महिला कर्मचारी से कथित अभद्र व्यवहार और शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने के आरोपों पर गंभीरता से कार्रवाई हो, ताकि उन्हें न्याय मिल सके।

भाटापारा के समाजसेवी अरुण छाबड़ा बंटी को समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला 'छत्तीसगढ़ रत्न सम्मान 2026



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा 24 नवंबर। समाजसेवी एवं सामाजिक कार्यकर्ता अरुण छाबड़ा बंटी को समाजसेवा, मानव सेवा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए राज्य स्तरीय 'छत्तीसगढ़ रत्न सम्मान समारोह 2026' में सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ का पहरेदार संस्थान द्वारा अंबिकापुर, जिला सरगुजा में आयोजित भव्य समारोह में उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया। यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे भाटापारा नगर एवं छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है।

अरुण छाबड़ा बंटी पिछले 25 वर्षों से निरंतर समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय हैं। उन्होंने सेवा को केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि अपने जीवन का उद्देश्य बनाया है। विशेष रूप से अपने स्वर्गीय पिता की पुण्यस्मृति में विगत 10 वर्षों से संचालित निःशुल्क शव वाहन सेवा 'स्वर्ग रथ' के माध्यम से वे जरूरतमंद परिवारों को कठिन समय में महत्वपूर्ण सहायता प्रदान कर रहे हैं। आर्थिक रूप से कमजोर एवं असहाय परिवारों के लिए यह सेवा मानवता और संवेदनशीलता की एक अनुकरणीय मिसाल बन चुकी है।उनकी समाजसेवा का दायरा केवल एक सेवा तक सीमित नहीं है। शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, मानव कल्याण एवं जरूरतमंदों की सहायता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उनका निरंतर योगदान रहा है। उनके सामाजिक कार्यों और समर्पण के लिए उन्हें दिल्ली में मानद डॉक्टरेट उपाधि से भी सम्मानित किया जा चुका है।अरुण छाबड़ा बंटी ने भाटापारा को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके नेतृत्व एवं प्रयासों से भाटापारा में 2196 मीटर लंबे तिरंगे का भव्य आयोजन किया गया, जिसके लिए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भाटापारा का नाम दर्ज हुआ। इन निरंतर प्रयासों सामाजिक समर्पण और जनसेवा की भावना को देखते हुए देश-विदेश की 500 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा उन्हें विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।'छत्तीसगढ़ रत्न सम्मान 2026' उनके 25 वर्षों के सेवाभावी सफर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस उपलब्धि पर भाटापारा सहित विभिन्न क्षेत्रों से शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दीं। अरुण छाबड़ा बंटी ने इस सम्मान को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को और अधिक निष्ठा से निभाने की प्रेरणा बताते हुए भविष्य में भी मानव सेवा एवं जनकल्याण के कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ की उच्च शिक्षा को एआई और आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल: टंकराम वर्मा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



तिल्दा नेवरा 24 नवंबर। कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुए जहाँ उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन एवं Google for Education सीरीज के बीच MoU पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर एआई पर प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ किया।

कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने बताया की इस प्रारंभिक कार्यशाला के माध्यम से रायपुर जिले के लगभग 22 महाविद्यालयों के 500+ प्राध्यापकों एवं उच्च शिक्षा संचालनालय के 50+ अधिकारियों-कर्मचारियों को,ढ़ प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे शिक्षण सामग्री तैयार करने, कठिन विषयों को सरलता से समझाने, विद्यार्थियों के मूल्यांकन एवं फीडबैक को बेहतर बनाने, शोध कार्यों में नई संभावनाएं तलाशने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक सरल व प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा में तकनीक के समुचित उपयोग, नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को बढ़ावा देने एवं प्रदेश के शिक्षा तंत्र को बदलते डिजिटल दौर में नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए निरंतर काम कर रही है।

राज्यपाल ने सरस्वती महाविद्यालय को दिए 10 कंप्यूटर और प्रिंटर

रायपुर, 24 नवंबर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज सोमवार को लोकभवन में सरस्वती महाविद्यालय, बिलासपुर को अपने स्वेच्छानुदान मद से 10 कंप्यूटर और प्रिंटर प्रदान किए। इस पहल का उद्देश्य महाविद्यालय में शैक्षणिक और तकनीकी सुविधाओं को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराना है। श्री डेका ने कहा कि महाविद्यालय की डिजिटल व तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करना और विद्यार्थियों के अध्ययन को अधिक सुगम व आधुनिक बनाने के लिए कंप्यूटर और प्रिंटर प्रदाए किए जा रहे हैं। यह 10 कंप्यूटर और प्रिंटर राज्यपाल ने अपने स्वेच्छानुदान मद से प्रदान किए हैं। इस अवसर पर सरस्वती महाविद्यालय के अध्यक्ष श्री संतोष कुमार तिवारी, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के सदस्य सर्वश्री बृजेंद्र शुक्ला, विवेक सक्सेना, लक्ष्मण राव मागर और बद्रीनाथ केसरवानी सहित महाविद्यालय प्रबंधन समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

हजारों छोटे कार्यकर्ताओं को पहचान दिलाने वाले अनिल अग्रवाल ने राजनीति में पद से अधिक कार्यकर्ता के सम्मान को दी प्राथमिकता

तिल्दा-नेवरा 24 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। सार्वजनिक जीवन में अपनी पहचान बनाना आसान नहीं होता, लेकिन हजारों छोटे कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का अवसर देना और उन्हें समाज में एक पहचान दिलाने का प्रयास करना अपने आप में महत्वपूर्ण कार्य है।

तिल्दा-नेवरा के भाजपा नेता एवं समाजसेवी भाई श्री अनिल अग्रवाल ने अपने लंबे सामाजिक और राजनीतिक सफर में कार्यकर्ताओं के साथ जुड़ाव, संगठन के प्रति सक्रियता और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से अपनी अलग पहचान बनाई है।

श्री अनिल अग्रवाल की कार्यशैली की एक विशेषता यह रही है कि वे बड़े लक्ष्य लेकर चलते हैं। राजनीति में विरोध और आलोचनाएं भी उनके सार्वजनिक जीवन का हिस्सा रही हैं, लेकिन वे आलोचना करने वालों की बातों को भी महत्व देते हैं। आलोचकों का सम्मान करना और असहमति के बावजूद संवाद बनाए रखना उनकी कार्यशैली का एक अलग पक्ष है। तिल्दा-नेवरा से लेकर रायपुर ग्रामीण के विभिन्न क्षेत्रों तक युवाओं, मातृशक्ति, मजदूरों, किसानों, व्यापारियों और समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच श्री अग्रवाल ने अपना संपर्क बनाया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों के साथ गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के बीच उनकी सहभागिता लगातार देखने को मिलती रही है। सामाजिक आयोजनों, सत्संग और सेवा कार्यों में उनकी उपस्थिति उनकी सार्वजनिक सक्रियता को दर्शाती है। श्री अनिल अग्रवाल के राजनीतिक सफर का एक महत्वपूर्ण पहलू जमीनी कार्यकर्ताओं को अवसर देने की सोच रही है। संगठन में छोटे-छोटे कार्यकर्ताओं को सामने लाना, उन्हें जिम्मेदारी देना और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना उनकी कार्यशैली में दिखाई देता है। उनके संपर्क और मार्गदर्शन से जुड़े अनेक कार्यकर्ता पंचायत में पंच से लेकर पार्षद और छत्तीसगढ़ की प्रदेश राजनीति तक विभिन्न जिम्मेदारियों में पहुंचे हैं। इतना ही नहीं, अनेक छोटे कार्यकर्ताओं को व्यापार और दूसरे क्षेत्रों में आगे बढ़ने तथा अपनी पहचान बनाने के अवसर मिले हैं। किसी भी संगठन की असली ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता होते हैं और कार्यकर्ताओं को महत्व देने की यह सोच संगठनात्मक जीवन में विशेष स्थान रखती है। राजनीति में अक्सर विरोधियों और आलोचकों से दूरी बना ली जाती है, लेकिन श्री अग्रवाल की कार्यशैली में आलोचना करने वालों की बात सुनने और उनका सम्मान करने का पक्ष भी देखने को मिलता है। उनके राजनीतिक जीवन में आलोचनाओं के अनेक दौर आए, लेकिन उन्होंने आलोचना को भी अपने सार्वजनिक जीवन का हिस्सा माना। यही कारण है कि उनके साथ कभी विरोध में खड़े रहने वाले लोग भी उनके सामाजिक संपर्क और कार्यशैली को नजदीक से समझने लगे हैं। आज उनके जन्मदिवस पर मैं अपने व्यक्तिगत अनुभव और भावनाओं को भी व्यक्त करना चाहता हूं। मेरे जैसे छोटे और ईमानदार कार्यकर्ता को भारतीय जनता पार्टी के संगठन से जोड़कर संगठनात्मक कार्य करने का अवसर देने में भाई अनिल अग्रवाल जी का योगदान मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा। मेरे लिए अनिल अग्रवाल केवल भाजपा के एक नेता नहीं, बल्कि भाई के समान हैं। उनके साथ मेरा रिश्ता स्नेह, विश्वास और संगठनात्मक जुड़ाव का है। मैंने उनके व्यक्तित्व में छोटे कार्यकर्ताओं के प्रति अपनापन और उन्हें आगे बढ़ाने की भावना को महसूस किया है। मेरी नजर में किसी भी नेता की वास्तविक पहचान केवल उसके पद, प्रतिष्ठा या राजनीतिक प्रभाव से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि उसने कितने सामान्य कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया, कितने लोगों को अपनी पहचान बनाने में सहयोग किया और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का कितना प्रयास किया।

कसडोल,सोनाखान में बिचौलियों से प्रशासन ने183 कट्टा धान जब्त किया



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार 24 नवंबर। धान खरीदी महाभियान अंतर्गत जिले मे 15 नवम्बर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी जरी हैं। इस बीच जिला प्रशासन द्वारा बिचौलियों पर कड़ी निगरानी की जा रही हैं। इसी कड़ी मे कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर सोमवार को प्रशासन की टीम ने तहसील कसडोल और सोनाखान मे बिचौलियों पर कार्यवाही करते हुए 183 कट्टा अवैध धान जब्त किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील सोनाखान अंतर्गत 5 कोचियो पर कार्यवाही की गई। इसमें रितेश ट्रेडर्स थारगव में 21 कट्टा धान, ओम ट्रेडर्स थारगव में 42 कट्टा धान तथा मोनू किराना स्टोर सुखरी में 40 कट्टा धान जब्त कर कार्यवाही किया गया । तहसील कसडोल अंतर्गत राजस्व विभाग एवं मंडी के संयुक्त दल द्वारा बिचौलियों पर कार्यवाही की गई। ग्राम सेल से थोक व्यापारी प्रेमलाल साहू के प्रतिष्ठान से 40 कट्टा तथा थोक व्यापारी यशवंत जायसवाल के प्रतिष्ठान से 40 कट्टा धान जब्त किया गया। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि कोचिये और बिचौलिए पर कड़ी नजर रखी जा रही है।उपार्जन केंद्रों मे अवैध धान खापाने की कोशिश पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

गांधी चौक में आज दीपावली मिलन समारोह, लोक गायिका गरिमा दिवाकर देंगी सांस्कृतिक प्रस्तुति

- पूर्व जिला महामंत्री एवं समाजसेवी अनिल अग्रवाल का जन्मदिवस धूमधाम से मनेगा, समाजसेवियों और उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों का होगा सम्मान

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



तिल्दा-नेवरा 24 नवंबर। नगर के गांधी चौक में 24 नवंबर को रात्रि 8 बजे भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध लोक गायिका लोक अंजोर गरिमा दिवाकर अपनी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर छत्तीसगढ़ी लोकसंस्कृति की छटा बिखेरेंगी।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण पूर्व जिला महामंत्री एवं वरिष्ठ समाजसेवी श्री अनिल अग्रवाल का जन्मदिवस समारोह होगा। इस अवसर पर उनका जन्मदिन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। साथ ही समाजहित में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाजसेवियों, जनसेवा के क्षेत्र में सक्रिय व्यक्तियों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर नगर एवं अंचल का गौरव बढ़ाने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा।

आयोजकों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य दीपावली के पावन पर्व पर आपसी प्रेम, भाईचारा, सामाजिक एकता एवं सद्भाव को मजबूत करना है। साथ ही समाज के लिए समर्पित भाव से कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित कर उनके योगदान को प्रोत्साहित करना है। समारोह में छत्तीसगढ़ी लोकगीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सम्मान समारोह के माध्यम से उत्सव का विशेष माहौल देखने को मिलेगा। आयोजकों ने नगर एवं अंचल के समस्त नागरिकों से सपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने की अपील की है।

हकीकत यही है कि बदलाव जनता करती है

किसी प्रदेश में सत्ता कई स्तरों पर रहती है और हर जगह सत्ता में कौन रहेगा या कौन नहीं रहेगा इसका फैसला तय समय पर प्रदेश की जनता करती है।हर स्तर पर राजनीतिक सत्ता में बदलाव के कई कारण होते हैं लेकिन एक कारण तो यही मौटे तौर पर माना जाता है कि जनता जब किसी राजनीतिक दल से नाराज होती है तो वह अपनी नाराजगी को चुनाव के जरिए व्यक्त करती है।इसीलिए चुनाव में हार जीत से ही माना जाता है किस स्तर पर जनता किस राजनीतिक दल से नाराज है। जिसे जनता सत्ता से हटाती है, माना जाता है कि जनता उसके कामकाज से खुश नहीं थी इसलिए उसे सत्ता से हटा दिया।इस मामले में जनता का हर स्तर पर संदेश अलग अलग भी हो सकता है।जैसे राजस्थान में हाल ही में पंचायत चुनाव में भाजपा की हार हुई है,उसे कम सीटों पर जीत मिली है तो इसका मतलब साफ है कि गांव के स्तर पर जनता भाजपा नेताओं से नाराज है, भाजपा सरकार के कामकाज से नाराज है।इसलिए उसने कांग्रेस को पंचायतों की सत्ता सौंप दी है।

राजस्थान के 37 जिलों में आए पंचायत चुनाव परिणाम भाजपा के लिए अहम हैं। जिला परिषद और पंचायत समिति के नतीजों में कांग्रेस ने भाजपा से कहीं अधिक सीटें हासिल कीं। पंचायत समिति के 7,543 वार्डों में कांग्रेस ने 3,758 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा 2,213 सीटों पर सिमट गई। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 497 और भारत आदिवासी पार्टी को 278 सीटें मिलीं। जिला परिषद की 1,275 सीटों में भी कांग्रेस ने 794 और भाजपा ने 357 सीटें हासिल कीं। 37 जिलों में से 23 में कांग्रेस को बहुमत मिला, जबकि भाजपा पांच जिलों में बहुमत हासिल कर सकी। आठ जिलों में निर्दलीय निर्णायक स्थिति में रहे। राजस्थान में पंचायत चुनावों का परिणाम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां गांवों का राजनीतिक संदेश सीधे प्रदेश की सत्ता और संगठन के कामकाज से जुड़ता है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों में बड़े नेताओं के चेहरे तथा राष्ट्रीय मुद्दे प्रभाव डाल सकते हैं, लेकिन पंचायत चुनावों में स्थानीय संपर्क, कार्यकर्ताओं की सक्रियता, प्रत्याशियों की स्वीकार्यता और क्षेत्रीय समस्याएं निर्णायक भूमिका निभाती हैं।कांग्रेस का 23 जिलों में बहुमत हासिल कर विस्तार और भाजपा का केवल पांच जिलों में सिमटना प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा घटनाक्रम है। जिला परिषदों में कांग्रेस की 794 और भाजपा की 357 सीटों का अंतर भी इसे स्पष्ट करता है।

राजस्थान ही नहीं किसी भी प्रदेश में सत्ता की राजनीति केवल राजधानी के सचिवालय और दिल्ली के पार्टी मुख्यालय से नहीं चलती। उसकी असली परीक्षा गांवों की चौपाल, किसानों के खेत, कस्बों के बाजार और आम आदमी की रोजमर्रा की समस्याओं के बीच होती है। लोकसभा चुनाव के बाद शहरी निकायों के चुनाव में भाजपा को ज्यादा सीटें मिली थी और साफ हो गया था कि शहरी स्तर पर भाजपा मजबूत है लेकिन उसके बाद और पंचायत चुनावों के नतीजे राजस्थान में भाजपा के सामने केवल विपक्ष की चुनौती नहीं है, बल्कि अपने संगठन, अपने नेताओं और अपने जमीनी जनाधार को साथ लेकर चलने की भी बड़ी चुनौती है।इसे मोटे तौर पर राजस्थान के सीएम व सरकार की असफलता माना जाएगा। इसका दो ही परिणाम हो सकता है कि एक सीएम भजनलाल को मौका दिया स्थिति सुधारने का या फिर उनको हटाकर किसी दूसरे को चुनाव के पहले सीएम बनाकर स्थिति को सुधारने का प्रयास किया जाए। राजस्थान की जीत से कांग्रेस के सबसे बड़े मुद्दे वोट चोरी की पोल खुल जाती है क्योंकि राजस्थान में तो भाजपा सरकार और कांग्रेस का ही आरोप रहा है कि भाजपा हर चुनाव वोट चोरी कर जीतती है तो राजस्थान में भाजपा अपनी सरकार रहने के बाद भी वोट चोरी कर अपनी कब्जा पंचायतों में बरकरार क्यों नहीं रख पाई।इसका कोई जवाब कांग्रेस ने न पहले दिया है और न अब देगी। लेकिन इससे साफ हो गया है कि कांग्रेस वोट चोरी के कारण चुनाव नहीं हारती है,जहां जनता उसे भाजपा का विकल्प नहीं समझती है, वहां हराती है और जहां जनता कांग्रेस का भाजपा का विकल्प समझती है,वहां उसे जिताती भी है।हिमाचल,तेलंगाना,कर्नाटक,केरल कई राज्यों में जनता ने कांग्रेस के सत्तारूढ़ दल का विकल्प समझा इसलिए उसे चुनाव में जिताया है। जहां वह भाजपा का विकल्प समझी नहीं जाती है,वहा जनता से हराती है और भाजपा को ही सत्ता के लायक समझती है।राहुल गांधी का वोटचोरी का आरोप भी कई दिनों नहीं लगा रहे हैं, वह हर बार वोट चोरी के मामले में पिछली बात से नई बात भी कह देते हैं,इससे भी उनके आरोप में कोई दम नहीं रह जाता है।वह झूठे साबित होते हैं और उनकी बात दोहराने वाले सारे नेता भी झूठे साबित होते हैं। वह राष्ट्रपति से मिलने गए थे तो कहा था राष्ट्रपति ने सबूत मांगा है हम सबूत एकत्र कर देंगे। लेकिन अब तक वह कोई सबूत जुटा नहीं पाए है।कभी वह कहते हैं कि हमारे पास सबूत तो हैं लेकिन वह दो सौ तीन सौ प्रतिशत सही नही है,कभी वह कहते हैं वोट चोरी का आरोप लगाना हमारा काम है,सरकार सबूत दे कि वोट चोरी नहीं हुआ है। वह न तो चुनाव आयोग को सबूत दे पाए है,न राष्ट्रपति को सबूत दे पाएं है, न सुप्रीम कोर्ट में सबूत दे पाए हैं और केरल में विधानसभा के बाद राजस्थान में पंचायत स्तर का चुनाव कांग्रेस जीत रही है तो उनको बताना चाहिए कि भाजपा वोट चोरी करती है तो कांग्रेस कैसे चुनाव जीतती है।

धर्म

गुरु नानक देव : आध्यात्मिक चेतना से सामाजिक बदलाव तक, मानवता के महान पथ प्रदर्शक की प्रेरक गाथा

बिश्व नाथ झा

भारत की संत परंपरा में गुरु नानक देव का स्थान अत्यंत विशिष्ट है। पंद्रहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में जब भारतीय समाज जातिगत भेदभाव, छुआछूत, अंधविश्वास और धार्मिक कट्टरता जैसी कुरीतियों से जूझ रहा था, तब तलवंडी की धरती पर जन्मे गुरु नानक देव ने मानवता को प्रेम, भाईचारे, समानता और सद्भाव का संदेश दिया। उन्होंने धर्म को कर्मकांडों और बाहरी आडंबरों से मुक्त कर उसे मानवीय संवेदना, सच्चे आचरण और निस्वार्थ सेवा से जोड़ा। उनका उद्घोष 'एक ओंकार सतनाम' केवल ईश्वर की एकता का संदेश नहीं, बल्कि समूची मानवता को एक परिवार मानने का जीवन दर्शन है। उन्होंने बताया कि ईश्वर किसी मंदिर या मस्जिद की सीमाओं में बंधा नहीं, बल्कि हर प्राणी में विद्यमान है। उनके अनुसार सच्ची भक्ति का अर्थ है ईमानदारी से आजीविका कमाना, जरूरतमंदों की सहायता करना और प्रत्येक मनुष्य का सम्मान करना। 'नाम जपो, किरत करो और वंड छको' की उनकी सीख सत्य, श्रम और साझेदारी का संदेश देती है। लगभग पांच शताब्दी पहले दिया गया उनका यह मानवतावादी दर्शन आज भी समाज को शांति, समानता और सद्भाव की राह दिखाता है।

तलवंडी में हुआ एक महान आध्यात्मिक व्यक्तित्व का जन्म-गुरु नानक देव का जन्म 1469 में कार्तिक पूर्णिमा के दिन तलवंडी गांव में हुआ था। यह स्थान वर्तमान पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में है और आज ननकाना साहिब के नाम से प्रसिद्ध है। हालांकि, ऐतिहासिक स्रोतों में उनकी जन्मतिथि को लेकर मतभेद हैं। कुछ अभिलेखों में 15 अप्रैल 1469 का उल्लेख है, जबकि सिख परंपरा में कार्तिक पूर्णिमा को उनका प्रकाश पर्व मनाया जाता है। उनके पिता मेहता कालू और माता तृप्ता थीं। बड़ी बहन बेबे नानकी ने बचपन से ही उनके आध्यात्मिक व्यक्तित्व को पहचाना और प्रोत्साहित किया। नानक बचपन से गंभीर और चिंतनशील थे। वे सामाजिक भेदभाव, धार्मिक मान्यताओं और जीवन के उद्देश्य पर प्रश्न उठाते थे। एक प्रसिद्ध साखी के अनुसार, नौ वर्ष की आयु में जनेऊ संस्कार के समय उन्होंने सूत का धागा पहनने से इनकार कर दिया। उन्होंने दया को कपास, संतोष को सूत, संयम को गांठ और सत्य को बटाई बताते हुए सद्गुणों से बना जनेऊ चाहा। इस प्रसंग से उन्होंने बाहरी प्रतीकों के बजाय आचरण की पवित्रता को महत्व दिया। 'सच्चा सौदा' की साखी उनके सेवाभाव को दर्शाती है। कहा जाता है कि व्यापार के लिए पिता से मिले बीस रुपये उन्होंने भूखे साधुओं को भोजन कराने में खर्च कर दिए। उनके लिए जरूरतमंदों को भोजन कराना ही सबसे अच्छा सौदा था।

सुल्तानपुर लोधी में आध्यात्मिक जीवन का नया अध्याय-युवावस्था में गुरु नानक अपनी बहन बेबे नानकी के पास सुल्तानपुर लोधी चले गए। उनके बहनोई जय राम की सहायता से उन्हें नवाब दौलत खां लोदी के मोदी खाने में काम मिला। यहां वे अनाज के भंडार का हिसाब-किताब रखते थे। उनका विवाह माता सुलखनी से हुआ और उनके दो पुत्र श्रीचंद तथा लखमी दास हुए। सांसारिक जिम्मेदारियों के बीच भी उनका मन आध्यात्मिक चिंतन में लगा रहता था। लगभग 1507 में बेई नदी में स्नान के दौरान उन्हें गहन आध्यात्मिक अनुभूति हुई। सिख परंपरा के अनुसार, इसके बाद उन्होंने 'ना कोई हिंदू, ना कोई मुसलमान' का उद्घोष किया। इसका भाव यह था कि परमात्मा की दृष्टि में मनुष्य की पहचान जाति और धार्मिक विभाजन से ऊपर है। सभी मनुष्य एक ही सृष्टिकर्ता की संतान हैं।

चार उदासियां : ज्ञान, संवाद और मानव एकता की यात्राएं-आध्यात्मिक अनुभूति के बाद गुरु नानक देव ने अपने विचारों और शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक यात्राएं कीं, जिन्हें सिख परंपरा में चार उदासियों के नाम से जाना जाता है। इन यात्राओं में उनके साथ भाई मरदाना रहते थे, जो रबाब बजाते थे और मुस्लिम परिवार से थे। दोनों की मित्रता धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर मानवता और आध्यात्मिक एकता का उदाहरण बनी। इन यात्राओं के दौरान उन्होंने हरिद्वार, काशी, गया, जगन्नाथ पुरी, असम सहित देश के अनेक क्षेत्रों के अलावा मक्का, मदीना, बगदाद, तिब्बत और श्रीलंका की यात्रा की। इनका विवरण विभिन्न जनमसाखियों में मिलता है, जिनमें कई प्रसंग परंपरागत साखियों के रूप में प्रसिद्ध हैं। हरिद्वार की एक साखी के अनुसार, लोगों को सूर्य की ओर जल अर्पित करते देखकर उन्होंने विपरीत दिशा में पानी फेंकना शुरू किया। पूछने पर उन्होंने कहा कि यदि पानी सूर्य तक पहुंच सकता है तो पंजाब के खेतों तक क्यों नहीं। इस तरह उन्होंने निरर्थक कर्मकांडों पर सवाल उठाया। मक्का से जुड़ी एक साखी में काबा की ओर पैर करके सोने पर आपत्ति जताए जाने पर उन्होंने कहा कि उनके पैर उस दिशा में कर दिए जाएं, जहां ईश्वर न हो। इसके माध्यम से उन्होंने परमात्मा की सर्वव्यापकता का संदेश दिया।

एक ओंकार : गुरु नानक की आध्यात्मिक विचारधारा का आधार-गुरु नानक देव के दर्शन का मूल आधार 'एक ओंकार' है। इसका अर्थ है कि परमात्मा एक है, वही संपूर्ण सृष्टि का रचयिता है और

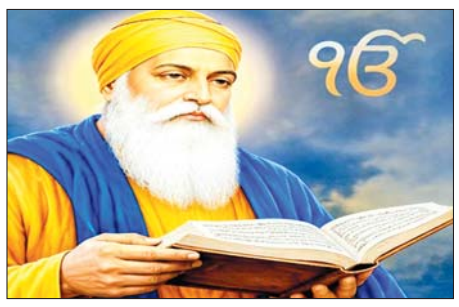

वह निराकार, सर्वव्यापी तथा किसी भेदभाव से परे है। उनके मूल मंत्र में 'सतनाम', 'कर्ता पुरख', 'निर्भउ', 'निरवैर' और 'अकाल मूरत' जैसे शब्द परमात्मा के स्वरूप को समझाते हैं। उन्होंने मनुष्य को ईश्वर के प्रति प्रेम और समर्पण के साथ सत्य, दया और नैतिकता का जीवन अपनाने की प्रेरणा दी। उनकी शिक्षाओं के तीन प्रमुख सिद्धांत हैं नाम जपो, किरत करो और वंड छको। नाम जपो का अर्थ है ईश्वर का स्मरण करना और मन को अहंकार, लोभ तथा बुराइयों से दूर रखना। किरत करो का संदेश है कि व्यक्ति ईमानदारी और मेहनत से अपनी आजीविका कमाए। वहीं वंड छको का अर्थ है अपनी नेक कमाई और संसाधनों को दूसरों के साथ बांटना। इन सिद्धांतों में आध्यात्मिकता के साथ सामाजिक और आर्थिक समानता का विचार भी समाहित है।

संगत-पंगत और लंगर : सामाजिक समानता का व्यावहारिक संदेश-गुरु नानक देव ने जाति, धर्म और आर्थिक स्थिति के आधार पर होने वाले भेदभाव का विरोध केवल उपदेशों से नहीं, बल्कि समानता को व्यवहार में उतारकर किया। उन्होंने संगत और पंगत की परंपरा को बढ़ावा दिया। संगत में सभी लोग एक साथ बैठकर ईश्वर का स्मरण करते हैं, जबकि पंगत में बिना किसी भेदभाव के एक पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। लंगर की सामुदायिक रसोई इस विचार का जीवंत उदाहरण है, जहां अमीर-गरीब, ऊंच-नीच और विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ भोजन करते हैं। भोजन बनाने, परोसने और सफाई करने में भी सभी को सेवा का अवसर मिलता है। गुरु नानक देव ने महिलाओं की समानता और गरिमा पर भी जोर दिया। उनकी वाणी का प्रसिद्ध कथन है 'सो किउ मंदा आखीऐ जितु जंमहि राजान।' अर्थात उस स्त्री को बुरा क्यों कहा जाए, जिसके गर्भ से राजा और महान व्यक्ति जन्म लेते हैं।

भाई लालो और मलिक भागो : ईमानदार श्रम की प्रतिष्ठा-गुरु नानक देव के जीवन से जुड़ी भाई लालो और मलिक भागो की साखी उनके आर्थिक और सामाजिक दर्शन को स्पष्ट करती है। परंपरा के अनुसार, भाई लालो मेहनतकश बढ़ई थे और ईमानदारी से आजीविका कमाते थे, जबकि मलिक भागो संपन्न और प्रभावशाली व्यक्ति थे। गुरु नानक ने भाई लालो की साधारण रोटी को मलिक भागो के पकवानों से श्रेष्ठ बताया। इसका संदेश था कि मेहनत और ईमानदारी से कमाया गया भोजन शोषण से अर्जित धन से अधिक पवित्र है। उन्होंने श्रम और आर्थिक नैतिकता को आध्यात्मिक जीवन का अभिन्न अंग माना। बाबर के आक्रमण के दौरान निर्दोष लोगों पर हुए अत्याचारों की भी उन्होंने आलोचना की। उनकी वाणी में इस हिंसा और जनपीड़ा का चित्रण 'बाबरवाणी' के नाम से प्रसिद्ध है।

करतारपुर : गृहस्थ जीवन में आध्यात्मिकता और सेवा का आदर्श-अपनी यात्राओं के बाद गुरु नानक देव रावी नदी के किनारे करतारपुर में बस गए। लगभग 1522 में उन्होंने यहां एक सामुदायिक जीवन व्यवस्था विकसित की। वे स्वयं खेती करते और मेहनत से आजीविका कमाते थे। यहां सुबह-शाम कीर्तन, सामूहिक प्रार्थना, संगत और लंगर की व्यवस्था थी। उन्होंने बताया कि ईश्वर की प्राप्ति के लिए परिवार और संसार छोड़ना जरूरी नहीं है। गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी व्यक्ति ईमानदारी, संयम, सेवा और ईश्वर स्मरण के माध्यम से आध्यात्मिक जीवन जी सकता है। करतारपुर में उनके विचारों को व्यवहार में उतारने वाली ऐसी व्यवस्था विकसित हुई, जिसने आगे चलकर सिख समुदाय की संस्थागत पहचान को मजबूत आधार दिया।

गुरु अंगद देव को उत्तराधिकारी बनाकर स्थापित की गुरु परंपरा-गुरु नानक देव ने अपने पुत्रों के बजाय समर्पित शिष्य भाई लहणा को उत्तराधिकारी चुना, जो बाद में गुरु अंगद देव कहलाए। इससे स्पष्ट होता है कि उनके लिए आध्यात्मिक नेतृत्व का आधार जन्म या पारिवारिक संबंध नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और योग्यता थी। उन्होंने अपनी शिक्षाओं को संगीत और काव्य के माध्यम से जनसामान्य तक पहुंचाया। उनकी प्रमुख रचनाओं में जापुजी साहिब, आसा दी वार, सिद्ध गोष्ठि और बारहमाह शामिल हैं। उनकी वाणी के लगभग 974 शबद गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित हैं, जो 19 रागों में रचे गए हैं। पांचवें गुरु अर्जन देव ने 1604 में आदि ग्रंथ का संकलन किया। बाद में गुरु तेग बहादुर की वाणी इसमें शामिल हुई और 1708 में गुरु गोबिंद सिंह ने गुरु ग्रंथ साहिब को सिखों का शाश्वत गुरु घोषित किया। 22 सितंबर 1539 को करतारपुर में गुरु नानक देव ने देह त्याग दी। अंतिम विदाई से जुड़ी परंपरागत साखी के अनुसार, हिंदू और मुस्लिम अनुयायी अपने रीति-रिवाज से उनका अंतिम संस्कार करना चाहते थे, लेकिन चादर हटाने पर वहां फूल मिले। दोनों समुदायों ने उन्हें आपस में बांट लिया। यह प्रसंग उनकी सर्वधर्म समभाव की शिक्षा का प्रतीक है।

मानवता को जोड़ने वाला अमर आध्यात्मिक दर्शन-गुरु नानक देव का जीवन हमें सिखाता है कि धर्म का वास्तविक अर्थ मनुष्य को मनुष्य से जोड़ना है, न कि उसे जाति, संप्रदाय और धार्मिक पहचान के आधार पर बांटना। उन्होंने प्रेम, समानता, ईमानदार श्रम, नारी सम्मान और निस्वार्थ सेवा को आध्यात्मिक जीवन की बुनियाद बनाया। आज जब दुनिया धार्मिक कट्टरता, हिंसा, सामाजिक असमानता और आपसी अविश्वास जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है, तब उनका 'एक ओंकार' का संदेश और नाम जपो, किरत करो तथा वंड छको के सिद्धांत पहले से अधिक प्रासंगिक हैं। उनकी सबसे बड़ी देन यही है कि उन्होंने आध्यात्मिकता को आम आदमी के जीवन, उसके श्रम और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ा। गुरु नानक देव की वाणी और विचार आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेम, करुणा, सत्य और मानव सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते रहेंगे।

सत्ता-संगठन की दूरी पाटने यूपी के हर जिले में उतरेंगे बीजेपी के दिग्गज

संजय सक्सेना,लखनऊ,

उत्तर प्रदेश में अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनावी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। 2024 के लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश के भीतर पार्टी को जो झटका लगा था, उससे सबक लेते हुए भाजपा नेतृत्व अब किसी भी तरह की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है। इसी कड़ी में पार्टी ने एक बेहद महत्वपूर्ण और व्यापक रणनीति तैयार की है, जिसके तहत संगठन के वरिष्ठ नेता राज्य के हर जिले में जाकर सीधे जमीनी कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे और उनकी बात सुनेंगे। इस पूरी कवायद का मकसद न केवल कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करना है, बल्कि चुनाव से काफी पहले संगठन की कमजोर कड़ियों की पहचान कर उन्हें दुरुस्त करना भी है। पार्टी की इस नई रणनीति के केंद्र में राज्य के सभी जिलों का दौरा है। यूपी भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े, सह-प्रभारी मेधा कुलकर्णी, जगदीश पटेल, प्रदीप वर्मा, अनंत ओझा और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में वरिष्ठ नेताओं की अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश के हर जिले में प्रवास करेंगी। इस दौरान ये नेता स्थानीय पदाधिकारियों, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और आम लोगों से मुलाकात करेंगे। इसका सीधा उद्देश्य यह समझना है कि जमीनी स्तर पर सरकार की योजनाओं का क्या असर हो रहा है, कार्यकर्ताओं के मन में किस बात को लेकर असंतोष है और संगठन में कहां सुधार की गुंजाइश है। इस व्यापक अभियान की नींव हाल ही में मथुरा में आयोजित दो दिवसीय चिंतन बैठक में रखी गई थी। इस महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष सहित पार्टी के करीब 50 प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया। हालांकि, इस बैठक के दौरान पार्टी के भीतर के कुछ पुराने समीकरण भी चर्चा में रहे। राज्य के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कलराज मिश्र, विनय कटियार और ओम प्रकाश सिंह जैसे वरिष्ठ नेता इस बैठक में शामिल नहीं हुए थे। विनय कटियार ने तो यहां तक कहा कि उन्हें इस बैठक के बारे में कोई सूचना ही नहीं दी गई थी, जो यह दर्शाता है कि पार्टी को अभी भी अपने वरिष्ठ नेताओं के बीच समन्वय बनाने के लिए काफी काम करना होगा। बैठकों के इस दौर में सरकार और संगठन के बीच संवादहीनता का मुद्दा भी खुलकर सामने आया। मथुरा की चिंतन बैठक में बी.एल. संतोष ने सभी नेताओं से सीधे पूछा कि साल 2017 में राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद से ऐसे कितने लोग हैं, जो अब तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से व्यक्तिगत रूप से नहीं मिल पाए हैं। इस सवाल पर पुष्कर मिश्रा, रंजना उपाध्याय और त्रयंबक त्रिपाठी जैसे नेताओं ने हाथ उठाए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बैठक समाप्त होने के तुरंत बाद इन नेताओं की मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत मुलाकात करवाई गई। इससे पहले गोरखपुर में हुई एक अन्य बैठक में भी जमीनी हकीकत सामने आई थी, जब सह-प्रभारी जगदीश पटेल ने अपने बुंदेलखंड दौरे का अनुभव साझा किया था। उन्होंने बताया था कि ग्रामीणों ने हर घर जल योजना को लेकर गंभीर शिकायतें की हैं, जिस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल जांच के आदेश देने की बात कही थी। मथुरा बैठक के तुरंत बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली जाकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन नवीन और बी.एल. संतोष के साथ भी लंबी मंत्रणा की, क्योंकि अमित शाह व्यस्तता के कारण मथुरा की बैठक में शामिल नहीं हो सके थे। अगर इस पूरी रणनीति का राजनीतिक और संगठनात्मक दृष्टिकोण से विश्लेषण किया जाए, तो कई महत्वपूर्ण पहलू उभरकर सामने आते हैं। सबसे पहली बात यह है कि भाजपा ने इस बार समय से बहुत पहले चुनावी मोड में आने का फैसला किया है। आमतौर पर चुनावों से कुछ महीने पहले सक्रिय होने वाला संगठन अब सवा साल पहले से ही अपनी कमियों को दूर करने में जुट गया है। पार्टी को इस बात का अहसास है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में मिली हार का एक बड़ा कारण कार्यकर्ताओं की उदासीनता और स्थानीय स्तर पर विधायकों व अधिकारियों के प्रति नाराजगी थी। इसके अलावा, पार्टी को संगठनात्मक स्तर पर पूर्व संगठन महामंत्री सुनील बंसल की कमी भी महसूस हो रही है, जिनकी बूथ प्रबंधन और कार्यकर्ताओं से सीधे जुड़ाव की रणनीति ने पिछले चुनावों में भाजपा को बड़ी जीत दिलाई थी। अब विनोद तावड़े और पंकज चौधरी की टीम उसी खालीपन को भरने की कोशिश कर रही है। दूसरा बड़ा विश्लेषण पार्टी के वैचारिक और चुनावी नैरेटिव में हो रहे बदलाव को लेकर है। 2024 के चुनावों में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी पीडीए का जो फॉर्मूला चलाया था, उसने भाजपा के पारंपरिक वोट बैंक में बड़ी सेंध लगाई थी। इसके साथ ही भाजपा के 'अबकी बार चार सौ पार' के नारे को विपक्ष ने संविधान और आरक्षण खत्म करने की साजिश के तौर पर प्रचारित किया था, जिसका भारी नुकसान पार्टी को उठाना पड़ा। अब 2027 के चुनावों के लिए भाजपा अपनी इस गलती को दोहराना नहीं चाहती। पार्टी नेतृत्व का स्पष्ट मानना है कि विपक्ष के जातीय समीकरणों और पीडीए की राजनीति का मुकाबला केवल सामाजिक न्याय की बातों से नहीं किया जा सकता, बल्कि इसके लिए हिंदुत्व की धार को फिर से तेज करना होगा। इसी रणनीति के तहत भाजपा ने अयोध्या के बाद अब मथुरा को अपने वैचारिक एजेंडे के केंद्र में लाने के संकेत दिए हैं। मथुरा की बैठक में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट रूप से कहा कि मथुरा में भव्य कृष्ण मंदिर का निर्माण पार्टी के चुनावी एजेंडे का एक अहम हिस्सा होगा। इस दौरान बैठक में 'राधे-राधे, कमल खिला दे' जैसा नया नारा भी गूंजा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मथुरा का मुद्दा उठाकर भाजपा एक तीर से दो निशाने साधने की कोशिश कर रही है। एक तरफ यह मुद्दा हिंदुत्व के कोर वोटरों को एकजुट करेगा, तो दूसरी तरफ भगवान कृष्ण से जुड़े इस अभियान के जरिए पार्टी की नजर यादव वोट बैंक में सेंध लगाने पर भी है, जो पारंपरिक रूप से समाजवादी पार्टी का सबसे मजबूत आधार माना जाता है। इसके अलावा, सरकार की योजनाओं को लेकर जमीन से मिल रहे फीडबैक पर मुख्यमंत्री का तत्काल संज्ञान लेना यह दर्शाता है कि पार्टी अब प्रशासनिक लापरवाही को लेकर कोई समझौता नहीं करना चाहती। हर घर जल योजना जैसी महत्वाकांक्षी योजनाओं में भ्रष्टाचार या लापरवाही की शिकायतों पर सीधे जांच के आदेश देकर नेतृत्व यह संदेश देना चाहता है कि जनता और कार्यकर्ताओं की आवाज को सुना जा रहा है। कुल मिलाकर, भाजपा की यह नई कार्ययोजना इस बात का प्रमाण है कि 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव पार्टी के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है। जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा करना, सरकार और संगठन के बीच की दूरी को पाटना, वरिष्ठ नेताओं को साथ लेकर चलना और हिंदुत्व के नए प्रतीक के रूप में मथुरा को आगे बढ़ाना, ये सभी कदम भाजपा की उस बड़ी रणनीति का हिस्सा हैं, जिसके दम पर वह सत्ता में वापसी का रास्ता तैयार कर रही है।

होटलों की आड़ में देह व्यापार

डॉ. सत्यवान सौरभ



शहरों की चमकती सड़कों, आलीशान होटलों और आधुनिक जीवनशैली के बीच यदि शोषण का कारोबार फलने-फूलने लगे, तो विकास के दावों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। होटल यात्रियों के ठहरने, पर्यटन, व्यापार और पारिवारिक आवागमन की सुविधा के लिए होते हैं, लेकिन यदि कहीं उनकी आड़ में देह व्यापार, मानव तस्करी और महिलाओं का शोषण चल रहा है, तो यह केवल एक अवैध गतिविधि नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही की गंभीर विफलता है। सवाल यह है कि शहरों में ऐसे कारोबार पनपने की परिस्थितियाँ आखिर बनती कैसे हैं और जिम्मेदार तंत्र समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं करता?

होटल व्यवसाय शहरों की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे रोजगार मिलता है, पर्यटन बढ़ता है और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलती है। लेकिन व्यवसाय की आड़ में गैरकानूनी गतिविधियों को संरक्षण देने वाले प्रतिष्ठान पूरे होटल उद्योग की प्रतिष्ठा को बदनाम करते हैं। यदि किसी होटल में देह व्यापार या शोषण का संगठित कारोबार संचालित हो रहा है, तो उसके विरुद्ध कार्रवाई केवल दिखावे की नहीं, बल्कि निर्णायक होनी चाहिए। कुछ समय के लिए छापेमारी करके फिर सब कुछ सामान्य हो जाना प्रशासनिक सफलता नहीं कहलाता। सबसे बड़ा प्रश्न पुलिस और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता पर है। यदि किसी इलाके में संदिग्ध गतिविधियाँ लगातार सामने आती हैं, शिकायतें होती हैं और फिर भी कारोबार चलता रहता है, तो व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना लाजिमी है। क्या निरीक्षण नियमित होते हैं? क्या शिकायतों की जाँच निष्पक्षता से की जाती है? क्या होटल संचालकों की जिम्मेदारी तय होती है? क्या अपराध के पीछे सक्रिय दलालों और संगठित नेटवर्क तक कार्रवाई पहुँचती है? जनता को केवल छापेमारी की तस्वीरें नहीं, बल्कि अपराध पर स्थायी नियंत्रण दिखाई देना चाहिए। देह व्यापार से जुड़े मामलों को केवल नैतिकता के चश्मे से देखना भी गंभीर भूल है। कई महिलाएँ आर्थिक मजबूरी, धोखाधड़ी, दबाव, हिंसा और मानव तस्करी के कारण शोषण की परिस्थितियों में फँस जाती हैं। ऐसी महिलाओं को अपमानित करना या अपराधी की तरह प्रस्तुत करना अन्याय है। कार्रवाई उन लोगों के विरुद्ध होनी चाहिए जो मजबूरी का फायदा उठाते हैं, महिलाओं को नियंत्रित करते हैं, उन्हें धमकाते हैं और शोषण से मुनाफा कमाते हैं। नाबालिगों के यौन शोषण के मामलों में कठोर कानूनी कार्रवाई और तत्काल संरक्षण अनिवार्य है। समाज की विडंबना देखिए कि ऐसे मामलों में अक्सर महिला की पहचान, चरित्र और निजी जीवन चर्चा का विषय बन जाता है, जबकि कारोबार चलाने वाले, पैसे कमाने वाले और संभावित संरक्षण देने वाले लोग पर्दे के पीछे रह जाते हैं। पीड़ित को बदनाम करना आसान है, लेकिन अपराध के नेटवर्क तक पहुँचना कठिन। यही मानसिकता शोषण को बढ़ावा देती है। जब समाज पीड़ित पर प्रश्न उठाता है और अपराधी के तंत्र पर चुप रहता है, तब उसकी चुप्पी भी अन्याय की ताकत बन जाती है।

होटल संचालकों की जिम्मेदारी भी स्पष्ट होनी चाहिए। व्यवसाय चलाने का अधिकार कानून के पालन के साथ जुड़ा है। पहचान संबंधी नियमों, रिकॉर्ड, सुरक्षा व्यवस्था और वैधानिक संचालन में लापरवाही को सामान्य नहीं माना जा सकता। किसी प्रतिष्ठान के विरुद्ध बार-बार शिकायत मिलने पर उसकी गंभीर जाँच होनी चाहिए। लाइसेंस और संचालन नियमों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा दोषी पाए जाने पर कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई हो। रसूख, आर्थिक प्रभाव या राजनीतिक संपर्क किसी भी व्यवसाय को कानून से ऊपर नहीं बना सकते। हालाँकि, कार्रवाई के नाम पर निर्दोष नागरिकों के निजी जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप भी स्वीकार्य नहीं है। होटल में ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति को संदेह की दृष्टि से देखना, बिना प्रमाण आरोप लगाना या नैतिक पुलिसिंग करना कानून का उद्देश्य नहीं हो सकता। कार्रवाई प्रमाण आधारित, निष्पक्ष और संवेदनशील होनी चाहिए। प्रशासन का लक्ष्य अपराध रोकना, शोषण के शिकार लोगों को सुरक्षित करना और दोषियों को न्याय के कटघरे तक पहुँचाना होना चाहिए। मानव तस्करी और यौन शोषण के मामलों में पुलिस, महिला एवं बाल संरक्षण इकाइयों, सामाजिक संस्थाओं, स्वास्थ्य सेवाओं और पुनर्वास केंद्रों के बीच समन्वय आवश्यक है। पीड़ितों को सुरक्षित आश्रय, कानूनी सहायता, मानसिक परामर्श और पुनर्वास उपलब्ध कराया जाए। केवल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़ाना सफलता नहीं है; सफलता तब है जब शोषण का नेटवर्क टूटे, पीड़ित सुरक्षित हों और अपराध दोबारा न पनपे। शहरों का विकास केवल ऊँची इमारतों, चमकदार बाजारों और बढ़ते होटल व्यवसाय से नहीं मापा जा सकता। जिस शहर में महिलाओं की सुरक्षा कमजोर हो, कानून प्रभावहीन हो और अपराधियों को संरक्षण मिलने की आशंका हो, वहाँ विकास की चमक खोखली है। प्रशासन को नियमित निरीक्षण, शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई

एक नजर

नर्सिंग और सुरक्षा गार्ड कोर्स में रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

कांकेर, 24 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले के बेरोजगार युवाओं के भविष्य को बेहतर एवं आत्मनिभर बनाने, रोजगार, स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें सक्षम बनाने के लिए लाइवलीहुड कॉलेज कांकेर में 30-30 सीटों में सुरक्षा गार्ड कोर्स और नर्सिंग कोर्स में निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है। सहायक परियोजना अधिकारी लाईवलीहुड कॉलेज से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रशिक्षण के लिए लाईवलीहुड कॉलेज गोविन्दपुर कांकेर में 25 नवम्बर को प्रातः 10 बजे से काउंसलिंग का आयोजन किया गया है। जिले के ऐसे युवा जिनकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक है, जो इस प्रशिक्षण से जुड़कर अपना भविष्य संवारना चाहते हैं वे शैक्षणिक योग्यता की अंकसूची, आधार कार्ड, 02 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ, निवास प्रमाण-पत्र की छायाप्रति के साथ निर्धारित समय में काउंसलिंग में उपस्थित होकर अपना पंजीयन करा सकते हैं।

जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक का उत्साह और उमंग के साथ शुभारंभ

कांकेर, 24 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिला मुख्यालय कांकेर में आज जिला स्तरीय बस्तर ओलंपिक 2026 का उत्साहपूर्ण शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय इस आयोजन में जिले के सभी विकासखण्डों से पहुंचे खिलाड़ी 11 खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत मार्च पास्ट के साथ हुई, जिसमें विभिन्न विकासखंडों के खिलाड़ियों ने अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री आशाराम नेताम ने कहा कि कांकेर बस्तर का प्रवेश द्वार है और बस्तर ओलंपिक के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने खेलों को बस्तर की प्रतिभाओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है। युवाओं को खेल के साथ योग, स्वच्छता और अनुशासन को भी अपने जीवन में अपनाना चाहिए तथा नशे से दूर रहना चाहिए। पढ़ाई के साथ खेलों में भी आगे बढ़कर युवा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने दो दिवसीय आयोजन के शुभारंभ पर सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग के सभी सात जिलों में बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है। जिले के सभी विकासखंडों से खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के दम पर जिला स्तरीय प्रतियोगिता में पहुंचे हैं। यहां उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने और हार से निराश न होकर लगातार प्रयास करते रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है, ताकि जिले के खिलाड़ी भविष्य में कॉमनवेल्थ गेम्स और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक जैसे बड़े मंचों तक पहुंच सकें। नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरुण कौशिक ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए आयोजन की सराहना की और सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

कांकेर, 24 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने आज चारामा तहसील अंतर्गत ग्राम लखनपुरी, चारामा एवं हल्बा स्थित धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण कर खरीदी कार्य की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्रों में किसानों को उपलब्ध सुविधाओं, बारदाने की उपलब्धता, धान की गुणवत्ता एवं नमी जांच सहित शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप खरीदी कार्य के संचालन की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने खरीदी केंद्रों में उपस्थित किसानों से चर्चा कर धान विक्रय के दौरान आने वाली समस्याओं एवं उनके अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की प्रक्रिया, टोकन प्रणाली तथा किसान समृद्धि योजनांतर्गत मिलने वाली सहायता के संबंध में जानकारी दी।

नक्सलवाद के खात्मा होने पर 35 वर्ष बाद बीजापुर विधायक ग्राम बंदेपारा पंहुचे

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता





बीजापुर, 24 नवंबर। जिले के भोपालपट्टनम ब्लॉक के दूरस्थ एवं धुर नक्सल प्रभावित रहे ग्राम बंदेपारा में नक्सलवाद का खात्मा होने पर 35 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद सोमवार को बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी पहुंचे। यहां उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 35 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद पहली बार कोई क्षेत्रीय विधायक उनके गांव पहुंचा है। ग्रामीणों का कहना था कि उनके लिए खुशी इस बात की है कि इतने वर्षों बाद किसी विधायक ने उनके गांव तक पहुंचकर उनकी सुध ली है।

इस दौरान विधायक विक्रम मंडावी ने बंदेपारा के साथ कचलारम और कोरेनजड़ जैसे दूरस्थ एवं नक्सल प्रभावित गांवों का भी भ्रमण किया। ग्रामीणों ने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं से विधायक को अवगत कराया। विशेष रूप से सड़क निर्माण, पुल-पुलिया जैसी बुनियादी सुविधाओं की मांग प्रमुखता से रखी। ग्रामीणों ने बताया कि आवागमन के बेहतर साधन नहीं होने के कारण उन्हें रोजमर्रा के कार्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य जरूरी सुविधाओं के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। क्षेत्र में सड़क और पुल-पुलिया का निर्माण होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल सकती है।

ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि क्षेत्र का विकास बेहद जरूरी है और दूरस्थ गांवों तक विकास की सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी मांगों और समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा तथा उनके निराकरण के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आप सभी की समस्याएं हमारी भी जिम्मेदारी हैं। क्षेत्र में सड़क, पुल-पुलिया सहित आवश्यक विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएंगे, ताकि जल्द से जल्द विकास की रोशनी इन दूरस्थ गांवों तक पहुंच सके। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के मनोज यालम, उपाध्यक्ष सुनील उद्दे,चापा सुरेंद्र, सुरेश सोढ़ी, बब्बू राठी सहित जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खदान का मलबा खिसकने की जांच आईआईटी रुड़की एवं मुंबई के विशेषज्ञों की टीम करेगी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



दंतेवाड़ा, 24 नवंबर। जिले में किरंदुल स्थित बैलाडीला की पहाड़ियों में राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के डिपॉजिट-14 एमएल क्षेत्र में खदान का मलबा खिसकने के बाद राष्ट्रीय खनिज विकास निगम प्रबंधन ने इस धंसाव को प्राकृतिक कारणों से जुड़ी घटना करार दिया है। निगम के अनुसार खिसका हुआ मलबा किसी वर्तमान खनन कार्य से संबंधित नहीं है। प्रबंधन ने यह भी स्पष्ट किया है कि आसपास के गांवों में किसी प्रकार की जनहानि, चोट या संपत्ति के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। सड़क पर जमा मलबे और पत्थरों को हटाने के लिए भारी मशीनरी तैनात की गई है। इसके अलावा स्थल के भू-तकनीकी आकलन तथा घटना की परिस्थितियों की जांच के लिए आईआईटी रुड़की और आईआईटी मुंबई के विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई है, जो स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर काम करेगी।

राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के डिपॉजिट-14 एमएल क्षेत्र के दशकों पुराने खनन मलबे और अवशेषों के बीते दो-तीन दिनों से लगातार धंसने के कारण लोहागांव-किरंदुल मुख्य सड़क मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया है। लाल मिट्टी और बड़े पत्थरों के नीचे खिसकने से आस-पास के घने वन क्षेत्र और लोहागांव के पास स्थित गांवों में भारी चिंता फैल गई है। सुरक्षा को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्र में आवाजाही पर कड़े प्रतिबंध लागू कर दिए हैं।

पहाड़ी क्षेत्र में गहरी और चौड़ी दरारें पड़ने के कारण बड़े पैमाने पर धंसाव की आशंका गहरा गई है। मिट्टी और पत्थरों का खिसकना पूरी तरह न थमने से लोहागांव और किरंदुल के बीच संपर्क मार्ग पूरी तरह बंद पड़ा हुआ है। मुख्य मार्ग ठप होने से स्थानीय निवासियों और आदिवासी समुदायों की रोजमर्रा की गतिविधियों, व्यापार, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच तथा आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। लोहागांव-किरंदुल मार्ग के पूरी तरह कट जाने से आसपास के गांवों में लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे ग्रामीणों में गहरा असंतोष और आक्रोश देखा जा रहा है।

समीर मेमन और संजय सुरीला ने गायकी से बांधा समां, रात 2 बजे तक झूमते रहे दर्शक



बैकुंठपुर 24 नवंबर। कोरिया जिले के बैकुंठपुर में शनिवार को आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम 'सुर संध्या : समीर-संजय नाइट' में मुंबई और छत्तीसगढ़ की संगीत संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। विषम प्राकृतिक परिस्थितियों के बावजूद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी पहुंचे। मुंबई के प्रसिद्ध गायक समीर मेमन और छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय गायक संजय सुरीला की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को देर रात तक झूमने पर मजबूर कर दिया। संगीत की यह महफिल रात 2 बजे तक सजी रही। मुंबई से पहुंचे समीर मेमन ने किशोर कुमार के सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं का दिल जीत लिया। 'घोस्ट ऑफ किशोर कुमार' के नाम से मशहूर समीर मेमन ने अपनी गायकी से ऐसा समां बांधा कि पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। वहीं सरगुजा अंचल के प्रसिद्ध गायक संजय सुरीला ने हिंदी और छत्तीसगढ़ी गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। उन्होंने दर्शकों के बीच पहुंचकर भी गीत गाए, जिससे कार्यक्रम का उत्साह और बढ़ गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं वरिष्ठ पत्रकार व समाजसेवी स्व. रुद्र प्रसाद 'रूप' के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन सुमन पांडेय ने किया। इस अवसर पर स्थानीय प्रतिभाओं को भी मंच प्रदान किया गया। सचिन गुप्ता 'डिम्मी', नियाज खान और सोनू साहू ने अपनी गायकी से दर्शकों का मनोरंजन किया, वहीं बाल कलाकार अयांश जायसवाल ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुति दी। आयोजन की विशेष पहल के तहत पहली बार टेंट, साउंड, एलईडी ऑपरेटर, ग्राउंड वर्कर्स सहित पर्दे के पीछे रहकर आयोजन को सफल बनाने वाले सभी सहयोगियों को आयोजक संवर्त कुमार रुद्र प्रसाद 'रूप' द्वारा सम्मानित किया गया। जनहित संघ के केंद्रीय अध्यक्ष एवं दैनिक सम्यक क्रांति अखबार समूह के प्रधान संपादक दुष्यंत कुमार धुरिया ने कहा कि 'सुर संध्या' केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मुंबई और छत्तीसगढ़ की कला एवं संगीत का ऐतिहासिक संगम रहा। दर्शकों का देर रात तक बना उत्साह आयोजन की सफलता का प्रमाण है। वहीं जनहित संघ के केंद्रीय उपाध्यक्ष संवर्त कुमार रुद्र प्रसाद 'रूप' ने समीर मेमन और संजय सुरीला की प्रस्तुतियों को यादगार बताते हुए सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में आईसेक्ट कोरिया, प्रमिला होंडा, अजय एग्रो फूड इंडस्ट्रीज, अयांश भोग, अग्रवाल टीवीएस, होटल रामसेतु, दुर्गाशक्ति मार्बल एवं विवेक मोटर्स का विशेष सहयोग रहा। आयोजन में राजेंद्र सिंह दद्दा और अनिल खटीक का मार्गदर्शन भी महत्वपूर्ण रहा। कार्यक्रम में जनहित संघ के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, कलाकारों सहित बड़ी संख्या में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग ने मध्यप्रदेश की गोवा ब्रांड की140 पेटी अवैध शराब जब्त की

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



जगदलपुर, 24 नवंबर। जिले के दरभा थाना क्षेत्र के छोटे कड़मा में परिवहन के दौरान मध्यप्रदेश की गोवा ब्रांड शराब का बड़ा जखीरा पकड़ा गया। आबकारी विभाग ने कार्रवाई में 140 पेटी और 10 नग मिलाकर कुल 7,010 नग शराब बरामद किया है। शराब की मात्रा 1,261.8 बल्क लीटर बताई गई है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 9 लाख 46 हजार 350 रुपये आंकी गई है। इस मामले में शराब परिवहन में इस्तेमाल की गई तीन वाहनों को भी जब्त किया गया है। मामले में सुनील सेठिया निवासी राजुर, थाना परपा को फरार बताया गया है। वहीं दो विधि से संघर्षरत बालकों के साथ प्रवीण बघेल निवासी चितापुर, थाना दरभा को गिरफ्तार किया गया है।

आबकारी विभाग ने आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क), 34(2), 36 एवं 59(क) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की विवेचना अधिकारी अंकित सिंह राठौर के साथ आबकारी मुख्य आरक्षक दुर्गा पटेल एवं शैलेष पाण्डे, आबकारी आरक्षक कविश यादव तथा वाहन चालक हेमराज बघेल का योगदान रहा। आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान के तहत आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई गई है।

बिजली खंभे से टकराई तेज रफ्तार बाइक,युवक की हुई मौके पर मौत



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 24 नवंबर। बस्तर जिले में तेज रफ्तार बाइक हादसे में 40 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा बीती रात 10 बजे देउरगांव से मोंगरापाल मार्ग पर नगर पंचायत कार्यालय के आगे मोड़ के पास हुआ। बताया जा रहा है कि बाइक अनियंत्रित होकर बिजली खंभे के सपोर्टिंग पोल से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चालक उछलकर सड़क किनारे जा गिरा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी में हादसे की वजह तेज रफ्तार बताई जा रही है। मृतक की पहचान घाटधनोरा निवासी गंगाधर कश्यप के रूप में हुई है, वह अपने ससुराल चोलनार जा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही बस्तर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा। आज सोमवार को शव का पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

तेलुगु सम्मेलन का समापन



रायपुर 24 नवंबर। आंध्रा एसोसिएशन, रायपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय 11वें अखिल भारतीय तेलुगु सम्मेलन का भव्य समापन साहित्यिक विमर्श एवं रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ। सम्मेलन के अंतिम चरण में देश के विभिन्न राज्यों से आए तेलुगु भाषा के विद्वानों, साहित्यकारों, गणमान्य अतिथियों एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। इस दौरान तेलुगु भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की गई। विद्वानों ने अपने विचार रखते हुए तेलुगु भाषा की समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत को रेखांकित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत दिल्ली एवं कर्नाटक के बल्लारी से आए कलाकारों ने तृतीय लिंग समुदाय पर आधारित प्रभावशाली लघु नाटक प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से अनाथ एवं दिव्यांग बच्चों के पालन-पोषण, सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों का संदेश दिया गया। वहीं, महाराष्ट्र मंडल, रायपुर की महिला कलाकारों ने 'आईचा जौगवा' की प्रस्तुति दी। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बंगाली लोकनृत्य 'धुनुची', हनुमान चालीसा एवं विष्णु भक्ति पर आधारित आकर्षक नृत्यों से दर्शकों का मन मोह लिया। इन प्रस्तुतियों में भारतीय संस्कृति की विविधता, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक एकता की झलक देखने को मिली। समापन समारोह में छत्तीसगढ़ बेवरेज कॉरपोरेशन के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास मादी, रायपुर पश्चिम के विधायक श्री राजेश मूणत, तेलुगु राष्ट्र तारका समाख्या के अध्यक्ष श्री आर. सुंदर राव तथा हैदराबाद से पधारे प्रसिद्ध अभिनेता श्री सुब्बाई शर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर आंध्रा एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जी. स्वामी, प्रबंधन समिति के सदस्य वाई.सी. राव, पी. प्रसाद, टी. श्रीनिवास रेड्डी, जी. नागेश, टी. सुरेश, मोहन के. नायडू, सी. साई गोपाल, के. भानोज कुमार, वेंकट राव मारोती, के.वी. राव, टी. बाबू राव, हरि वल्लभ एवं के. वेंकट राव सहित संस्था के सदस्य के. रामकृष्णा, तिरुमल राव, महिला विंग की सदस्याएं एवं विद्यालय के शिक्षकगण मौजूद रहे।सम्मेलन का समापन तेलुगु भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के संकल्प के साथ हुआ। तीन दिवसीय आयोजन ने विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों को एक मंच पर जोड़ने के साथ भारतीय भाषाई एवं सांस्कृतिक एकता को भी मजबूती प्रदान की।

अनावश्यक सिजेरियन बन्द हों : डॉ अशोक काले





- सामान्य प्राकृतिक प्रसव जननी सुरक्षा के लिए आवश्यक
- सिजेरियन के बाद भी वेज़ाइनल प्रसव संभव

रायपुर 24 नवंबर। प्रति वर्ष अनुसार धन्वंतरि जयंती के उपलक्ष्य में विश्व आयुर्वेद परिषद द्वारा इस वर्ष जननी सुरक्षा : प्राकृतिक प्रसव विषय पर जागृति मण्डल सभागार में वृहत नागरिक संगोष्ठी सम्पन्न हुई ! मुख्य वक्ता पुणे से आए हुए डॉ अशोक काले ने बताया एक षड्यंत्र के तहत अनावश्यक सिजेरियन ऑपरेशन किए जा रहे हैं । पहला एक या दो सिजेरियन होने के बाद भी वेज़ाइनल प्रसव संभव है, लेकिन एक सिजेरियन के बाद महिला को डरा दिया जाता है कि हर बार ऑपरेशन कराना पड़ेगा । इस डर के कारण से महिला अगली बार गर्भधारण और ऑपरेशन से दूर रह जाती है और पहले बच्चे के बाद अगला बच्चा नहीं चाहती । संगोष्ठी में सिजेरियन प्रसव के दुष्प्रभाव एवं प्राकृतिक सामान्य प्रसव के व्यावहारिक, तकनीकी एवं आयुर्वेदिक उपाय विस्तार से बताए गए, जिससे सिजेरियन का डर दूर हुआ ।

मुख्य वक्ता के बाद स्थानीय स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ नम्रता सिरमौर, डॉ अनामिका सिंह, डॉ मीनाक्षी दुबे एवं आयुर्वेद डॉ पल्लवी क्षीरसागर ने सामान्य प्राकृतिक प्रसव की समस्या और समाधान पर प्रकाश डाला ।

इस महत्वपूर्ण संगोष्ठी में महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, महिला आयोग अध्यक्ष ममता साहू , छत्तीसगढ़ आयुष यूनिवर्सिटी के उपकुलपति डॉ पी के पात्रा, पूर्व सूचना आयुक्त मोहन पवार, डॉ सुनील दास, डॉ स्मृति देवांगन, डॉ किरण मल्होत्रा, चिकित्सक प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ नरेन्द्र मिश्रा, डॉ मीनपाल, डॉ राजेन्द्र अग्रवाल, डॉ के डी मानिकपुरी, डॉ लवकेश चंद्रवंशी, डॉ दिनेश जैन, तेजराम साहू, डॉ सतीश चंद्रवंशी, भारत विकास परिषद के विनोद अग्रवाल, मुरली काबरा, ललित चन्द्राकर, सजन मल्होत्रा, हरेन्द्र पटेल, सतीश राजवाड़े, शरत चंद्रा, मनोज अग्रवाल विवेक गानोदवाले,वीरेन्द्र नामदेव, सौभाग्य दुबे, प्रीतम महानंद, पूजा बुन्देला, संगीता चौबे, पद्मा, नीलम सिंह, तूलिका पाण्डे सहित अनेक प्रबुद्धजन सम्मानित हुए ।

श्री रामजी रजवाड़े, संगठन मंत्री सक्षम की अध्यक्षता में सम्पन्न संगोष्ठी में परिषद के संगठन मंत्री गिरधारी सागर ने विषय प्रवेश कराया, महासचिव डॉ चन्द्रेश सिन्हा ने संचालन किया एवं प्रांताध्यक्ष डॉ मनोहर लहेजा ने आभार व्यक्त किया । आरम्भ में धन्वंतरि वंदना, दीप प्रज्वलन तथा अन्त में वन्दे मातरम् के साथ समापन हुआ ।

एक नजर

27 नवंबर को लगेगा प्लेसमेंट एवं अप्रेंटिस मेला, 116 पदों पर भर्ती का अवसर

रायगढ़, 24 नवम्बर। जिले के योग्य युवाओं को रोजगार एवं प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 27 नवंबर को प्लेसमेंट एवं अप्रेंटिस मेला आयोजित किया जाएगा। मेले का आयोजन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई), बोईरदादर, रायगढ़ में सुबह 10 बजे से होगा। इसमें जिले के चार औद्योगिक संस्थानों द्वारा विभिन्न ट्रेडों के कुल 116 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।आयोजित मेले में जिंदल स्टील एंड पावर एसएसडी, पूंजीपथरा में फिटर अप्रेंटिस के 20 एवं वेल्डर अप्रेंटिस के 20 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसी तरह जगदम्बा स्ट्रक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड में इलेक्ट्रीशियन, फिटर एवं वेल्डर अप्रेंटिस के 5-5 पद तथा हेल्पर के 10 पदों पर भर्ती होगी। नलवा स्टील एंड पावर लिमिटेड में इलेक्ट्रीशियन के 15, फिटर के 15, वेल्डर के 4, टर्नर के 2 तथा ओवरहेड क्रेन ऑपरेटर के 5 पदों पर अवसर उपलब्ध हैं। वहीं नलवा स्पेशल स्टील लिमिटेड में फिटर के 8 एवं वेल्डर के 2 अप्रेंटिस पदों पर भर्ती की जाएगी। मेले में विभिन्न पदों के लिए संबंधित ट्रेड में आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थी पात्र होंगे।

जल संरक्षण एवं जल के सदुपयोग के प्रति ग्रामीणों को किया गया जागरूक



रायगढ़, 24 नवम्बर। विकासखंड रायगढ़ के ग्राम साल्हेपाली में जल अर्पण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं जल के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए पानी की प्रत्येक बूंद को अनमोल बताया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को जल के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि जल ही जीवन का आधार है और इसके बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। इसलिए पानी का सदुपयोग करना तथा अनावश्यक रूप से पानी की बर्बादी रोकना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर ग्रामीणों को वर्षा जल संचयन के महत्व के बारे में बताया गया। साथ ही जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। लोगों से अपील की गई कि वे अपने आसपास के जल स्रोतों को स्वच्छ रखें और जल संरक्षण के प्रयासों में सक्रिय सहभागिता निभाएं। कार्यक्रम का उद्देश्य जन-जन तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचाना तथा लोगों को जल के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराना रहा। जल अर्पण दिवस के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। सभी से अपील की गई कि वे जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझें और पानी बचाने की आदत को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम में जल संरक्षण का संदेश देते हुए कहा गया जल है तो कल है, जल बचाएं-जीवन बचाएं।

ऑनलाइन टोकन से धान बेचना हुआ आसान, खेती की आमदनी से घर बनाने सोच रहे किसान इलोक राम

धमतरी, 24 नवंबर । शासन की समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था किसानों के लिए आर्थिक संबल बनने के साथ ही उनके सपनों को साकार करने का माध्यम भी बन रही है। पारदर्शी धान खरीदी प्रक्रिया, ऑनलाइन टोकन सुविधा और उपार्जन केंद्रों में उपलब्ध किसान हितैषी व्यवस्थाओं से किसानों को अपनी उपज बेचने में काफी सहूलियत मिल रही है। इसका लाभ ग्राम खरतुली के किसान श्री इलोक राम साहू भी उठा रहे हैं। इलोक राम साहू, सेवा सहकारी समिति लोहरसी के अंतर्गत आने वाले किसान हैं। वे लगभग चार एकड़ कृषि भूमि में धान की खेती करते हैं। इस वर्ष उन्होंने ऑनलाइन टोकन के माध्यम से धान विक्रय की प्रक्रिया अपनाई है। उन्हें आज 22 क्विंटल धान विक्रय के लिए दूसरा टोकन प्राप्त हुआ है। इससे पहले वे 20 क्विंटल धान का विक्रय कर चुके हैं। अब उनकी शेष उपज के लिए भी टोकन मिल गया है। वे बताते हैं कि ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से धान बेचने की प्रक्रिया बहुत आसान हो गई है। घर बैठे टोकन प्राप्त होने से अनावश्यक भागदौड़ और इंतजार से राहत मिलती है तथा अपनी सुविधा के अनुसार उपज विक्रय की योजना बनाना आसान होता है उपार्जन केंद्र में किसानों की सुविधा के लिए पेयजल और बैठने की अच्छी व्यवस्था है। धान भरने के लिए पर्याप्त बारदाने उपलब्ध हैं। इसके साथ ही माइक्रो एटीएम की सुविधा भी दी गई है, जिससे किसानों को केंद्र में ही आवश्यक बैंकिंग लेनदेन की सहूलियत मिलती है। इन व्यवस्थाओं से धान विक्रय के दौरान किसानों का समय और श्रम दोनों बच रहे हैं। साहू का परिवार उनके माता-पिता, पति-पत्नी और स्कूल में पढ़ने वाले दो बच्चों से मिलकर बना है। वे बताते हैं कि पिछले तीन वर्षों से धान का अच्छा मूल्य मिलने के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

जिले में धान के अवैध भंडारण व बिक्री रोकने की जा रही कार्रवाई

जिले की टीम ने 146 क्विंटल से अधिक धान जब्त किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



रायगढ़, 24 नवम्बर। जिले में धान के अवैध भंडारण एवं समर्थन मूल्य पर पुराने धान की बिक्री रोकने के लिए कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी और जांच की जा रही है। इसी क्रम में आज राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए कुल 146 क्विंटल से अधिक धान जब्त किया।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) घरघोड़ा के मार्गदर्शन में संयुक्त टीम ने ग्राम कसडोल, तमनार में युधिष्ठिर साहू के दुकान सह गोदाम की जांच की। इस दौरान अवैध रूप से भंडारित 350 बोरी धान, जिसका कुल वजन 140 क्विंटल है, पाया गया। टीम ने मंडी अधिनियम के तहत धान जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की। इसी तरह सेवा सहकारी समिति लिसी में कृषक जितेन्द्र खुंटिया, ग्राम गोलाबुड़ा द्वारा धान बिक्री के लिए लाया गया था। जांच के दौरान कुल 113 बोरी धान में से 17 बोरी धान ग्रीष्मकालीन यानी पुराना पाया गया। यह धान निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप नहीं होने के कारण खरीदी के लिए स्वीकार नहीं किया गया। मामले में समिति प्रबंधक, फड़ प्रभारी एवं उपस्थित किसानों की मौजूदगी में पंचनामा तैयार किया गया। इसके बाद उप संचालक कृषि द्वारा 17 बोरी धान जब्त कर सेवा सहकारी समिति लिसी में सुरक्षित रखवाया गया। उल्लेखनीय है कि जिले में अलग-अलग प्रकरणों में कुल 2528 क्विंटल धान की जप्ती की जा चुकी है। जिसमें छ.ग.कृषि उपज मंडी अधिनियम के निहित प्रावधानों के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। जिले में धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी बनाए रखने और अवैध भंडारण तथा पुराने धान की बिक्री पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार जांच की जा रही है। अधिकारियों द्वारा धान खरीदी केंद्रों एवं भंडारण स्थलों पर निगरानी रखी जा रही है, ताकि समर्थन मूल्य पर खरीदी के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता न हो।

मजदूरों के अस्पताल को देखकर गद्गद् हुए श्रम कल्याण मंडल के उपाध्यक्ष किशोर महानंद



■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा,24 नवंबर। श्रम कल्याण मंडल (छत्तीसगढ़ शासन) के उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा) किशोर महानंद तीन दिवसीय प्रवास पर लौह नगरी दल्ली राजहरा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने श्रम कल्याण मंडल की योजनाओं को लेकर श्रमिक संगठनों से मुलाकात की, उनके कार्यस्थलों का दौरा किया, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और विभिन्न श्रमिक संस्थाओं से चर्चा की।

उन्होंने नगर के दर्शनीय स्थल भीष्म रथ, कालीबाड़ी, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला केलाबाड़ी के साथ ही जगन्नाथ स्टील प्लांट का भी निरीक्षण किया।

मजदूरों के अस्पताल की चर्चा सुनकर पहुंचे शहीद अस्पताल

मंत्री को पार्टी कार्यकर्ताओं और विभिन्न सूत्रों से जानकारी मिली कि नगर में मजदूर-श्रमिकों ने अपने मेहनत से एक विशाल अस्पताल बनाया है, जिसमें शल्य चिकित्सा, पैथोलॉजी लैब, रेडियोलॉजी, सोनोग्राफी, सीटी स्कैन, टीबी वार्ड जैसे कई अत्याधुनिक विभाग हैं। जहां प्रतिदिन सैकड़ों-हजारों लोग इलाज का लाभ लेते हैं। आसपास के क्षेत्र के साथ ही सुदूर बस्तर से लेकर मानपुर-मोहला तक के लोग इलाज के लिए आते हैं।अस्पताल की सबसे खास बात यह है कि यह मजदूरों द्वारा निर्मित और मजदूरों द्वारा ही संचालित है, जहां न्यूनतम कीमत पर इलाज होता है। अस्पताल की जानकारी मिलने पर मंत्री ने अस्पताल प्रबंधन से मिलने और अस्पताल को देखने की इच्छा जाहिर की। इसके बाद वे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ शहीद अस्पताल पहुंचे। वहां शहीद अस्पताल प्रबंधन की ओर से पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जाना के साथ सभी डॉक्टर उपस्थित थे।

एक-एक वार्ड का किया निरीक्षण

मंत्री जी ने अस्पताल में OPD, लैब, फिजियो, फार्मेसी, डेंटल, IPD के लेबर रूम, ANC OPD, सीटी स्कैन, सर्जिकल वार्ड, OT, मेडिसिन वार्ड, बच्चा वार्ड, PNC वार्ड और लाइब्रेरी का निरीक्षण किया और गोटूल में प्रबंधन के साथ चर्चा की।अस्पताल प्रबंधन की ओर से उनसे मांग की गई कि हमारा अस्पताल विभिन्न सुविधाओं से लैस है, जहां सबसे कम कीमत पर बेहतरीन इलाज किया जाता है। डॉ. जाना ने बताया कि कई बड़े शल्य चिकित्सा भी यहां न्यूनतम कीमत पर की गई हैं, जो बड़े-बड़े अस्पतालों में लाखों रुपये में होती हैं।वार्ड में निरीक्षण करने के बाद मरीज के पास भी गए और वह मरीज के हाल-चाल भी जाना अस्पताल में किये जा रहे हैं डॉक्टर के द्वारा इलाज के वास्तविकता भी पूछी की किस बीमारी के कारण भर्ती हुए हो ,इलाज कैसा है अस्पताल प्रबंधन का व्यवहार कैसा है सभी ने बेहतरीन बताया । नशा के कारण भर्ती हुए युवाओं को नशा से दूर रहने के लिए भी कहा ।डॉ. जाना ने बताया कि यहां अस्पताल में मात्र 10 रुपये शुल्क पर OPD इलाज किया जाता है और भर्ती के लिए भी बिस्तर शुल्क मात्र 10 रुपये लिया जाता है, वह भी सरकार को एनवायरमेंट विभाग को शुल्क के रूप में दी जाती है। इस तरह अस्पताल में बिना बेड शुल्क के ही निःशुल्क भर्ती की जाती है। मरीज को दवाई अति आवश्यक होने पर ही दी जाती है, बिना आवश्यकता की दवाई का उपयोग नहीं किया जाता।डिलीवरी के लिए भी अस्पताल में आवश्यक होने पर ही सिजेरियन ऑपरेशन की सलाह परिजन को दी जाती है। अस्पताल प्रबंधन प्राकृतिक रूप से ही डिलीवरी की सलाह देता है। डॉ. जाना ने कहा कि हमारे अस्पताल में सरकार द्वारा समय-समय पर निर्देशित विभिन्न योजनाओं के साथ-साथ उन्मूलन सप्ताह का भी बहुत बेहतरीन ढंग से क्रियान्वयन किया जाता है, जिसमें खासकर टीबी उन्मूलन का कार्यक्रम होता है। एक सप्ताह तक नगर एवं आसपास के ग्रामीणों के विभिन्न जगहों पर जाकर अस्पताल की ओर से लोगों को जागरूक करने का काम किया जाता है, जिसमें डॉक्टरों के साथ-साथ अस्पताल की नर्सें भी शामिल होती हैं।अस्पताल की ओर से प्रशिक्षु नर्सों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है, जो विभिन्न संस्थाओं में हजारों रुपये की फीस लेकर दिया जाता है। अस्पताल का मकसद यही है कि कम से कम लागत पर लोग चिकित्सा के संबंध में जानकारी लें और उसे रोजगार के रूप में उपयोग कर सकें।अस्पताल की ओर से मांग की गई कि टीबी वार्ड के लिए अलग से जगह के साथ-साथ परिजनों के रात्रि में रुकने के लिए भी जगह दी जाए। साथ ही नगर पालिका की ओर से जो शुल्क लगाई गई है, उसमें भी छूट दी जाए।मंत्री महोदय ने उनकी बातों पर गौर करते हुए कहा कि अस्पताल में जिस तरह से सेवा की जा रही है, उससे लगता है कि आप जिस मानवता के साथ कार्य कर रहे हैं, सरकार को पूरी तरह से आपका सहयोग करना चाहिए।

लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें अधिकारी-सीईओ

रायगढ़, 24 नवम्बर। जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे ने विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार आयोजित बैठक में उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे और आम नागरिकों की समस्याओं का निराकरण संवेदनशीलता के साथ किया जाए।

जिले के युवाओं को रोजगारपरक कौशल से जोड़ने और रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण योजना की समीक्षा की गई। जिला पंचायत सीईओ ने कहा कि कक्षा दसवीं उत्तीर्ण से लेकर स्नातक की पढ़ाई पूरी कर चुके युवाओं को उद्योगों के माध्यम से अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें। इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक युवा इसका लाभ उठा सकें।बैठक में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) समुदाय के लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला पंचायत सीईओ ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समुदाय के प्रत्येक पात्र परिवार तक आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए।उनकी समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करते हुए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

कला उत्सव में विद्यार्थियों ने किया कला का प्रदर्शन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता



दल्लीराजहरा, 24 नवंबर। स्कूल शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पहचानने और शिक्षा में कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कला उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया7 ब्लाक स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर दल्ली राजहरा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की छायाचित्र पर दीप प्रचलित कर किया गया। ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों से आए हुए विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा, रचनात्मक एवं सांस्कृतिक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। वही विद्यार्थीयों ने गायन, वादन, नृत्य, दृश्य कला के अंतर्गत चित्रकला, मूर्तिकला, पेंटिंग एवं रंगोली विभिन्न विधाओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया इस मौके पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि कला उत्सव राष्ट्रीय शिक्षा नीति के भावना के अनुरूप विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। संगीत, नृत्य, गायन, वादन, चित्रकला, हस्तकला जैसी गतिविधियां बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन, कल्पनाशीलता और रचनात्मक सोच विकसित करती है उन्होंने आगे शिक्षकों से कहा कि वह पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों की कला एवं संस्कृति प्रतिभाओं को भी प्रोत्साहित करें ताकि ग्रामीण अंचल की प्रतिभाएं भी जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सके। नोडल अधिकारी विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक सुनील कुमार तारम एवं महेश कुमार गोरे प्राचार्य सेजेस नया बाजार राजहरा ने कहा कि कला केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि यह हमारी संस्कृति, सभ्यता, परंपरा और भावनाओं की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है, कला के माध्यम से विद्यार्थी अपनी कल्पनाओं को साकार रूप देते हैं और अपनी अलग पहचान बनाते हैं, प्रत्येक बच्चों के अंदर प्रतिभा छुपी हुई होती है। ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से उनकी छुपी हुई प्रतिभा को निखरकर का सामने आती है। कार्यक्रम का संचालन सहायक नोडल अधिकारी मोना रावत (शिक्षक) एवं साक्षी देवांगन (शिक्षिका) ने किया। ब्लॉक स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम में प्रथम स्थान लाने वाले विद्यार्थियों के विद्या, नाम एवं वाला का नाम इस प्रकार है- संगीत गायन ईश्वर कुमार (बिटाल), जिया (गुजरा) वादन विवेक कुमार (गुजरा), शास्त्रीय नृत्य एकल नोहर लाल (कुआंगोंदी), स्नेहल पांडे (डीएवी राजहरा), सामूहिक लोक नृत्य चांदनी एवं साथी (गुजरा), दृश्यकला द्विआयामी चित्रकला - नीरज कुमार (गुजरा) नम्रता (पथराटोला),त्रिआयामी मूर्तिकला- मुरलीधर (नर्राटोला) रंगोली रेशमा (साल्हे) शामिल रहे7 यह सभी ब्लॉक में चयनित प्रतिभागी जिला स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम 23 नवंबर को भाग लेंगे। इस ब्लाक स्तरीय कला उत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हमारे ब्लॉक कार्यालय के कंप्यूटर ऑपरेटर राजेश मेश्राम व कार्यक्रम के पंजीयन प्रभारी तनुजा बंजारे (प्रधान पाठक), ज्योति विश्वकर्मा (शिक्षिका) हमारे निर्णायक के रूप में निर्णायक(संगीत) प्रधुमन हिरवानी (प्रधान पाठक), माधोराम (सहायक शिक्षक), राजेश कश्यप (सहायक शिक्षक) नृत्य निर्णायक गजेंद्र रावटे (शिक्षक), खुशबू साहू (शिक्षक), दृष्टिकला निर्णायक शिल्पी राय (शिक्षक), राकेश गौर(शिक्षक) का महत्वपूर्ण योगदान रहा अंत में कार्यक्रम का आभार व्यक्त सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य महोदया किशन साहू ने किया ।

स्वामित्व योजना से जिले में 72 हजार से अधिक ग्रामीणों को मिला अपनी संपत्ति का मालिकाना हक

रायगढ़, 24 नवम्बर। गांवों में आबादी भूमि पर बने मकानों और अन्य परिसंपत्तियों का अधिकार अभिलेख मिलने से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का प्रमाणिक दस्तावेज मिल रहा है। स्वामित्व योजना के माध्यम से वर्षों से अपने मकानों में निवास कर रहे ग्रामीणों को अब उनकी संपत्ति का रिकॉर्ड उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे संपत्ति की पहचान स्पष्ट होने के साथ ही बैंक से ऋण लेने और संपत्ति संबंधी विवादों से बचने में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जिला प्रशासन द्वारा जिले में स्वामित्व योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत अब तक जिले के 72 हजार 114 हितग्राहियों को आबादी भूमि में स्थित उनके मकानों एवं परिसंपत्तियों का स्वामित्व प्रमाण-पत्र अर्थात अधिकार अभिलेख वितरित किया जा चुका है। कुल पात्र हितग्राहियों में लगभग 98 प्रतिशत तक अधिकार



अभिलेख का वितरण किया जा चुका है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जिले में योजना के तहत ड्रोन सर्वेक्षण, अभिलेख तैयार करने और वितरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। जिले के 801 ग्रामों में से 769 ग्रामों के अधिकार अभिलेख का अंतिम प्रकाशन कर उन्हें भुईयां पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है।

तहसीलवार हजारों ग्रामीणों को मिला अधिकार अभिलेख

योजना के तहत जिले की विभिन्न तहसीलों में बड़ी संख्या में हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख वितरित किए गए हैं। तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार कापू में 2,550, खरसिया में 10,077, घरघोड़ा में 9,153, छाल में 3,518, तमनार में 7,995, धरमजयगढ़ में 3,450, पुसौर में 12,840, मुकडेगा में 2,746, रायगढ़ में 10,523 तथा लैलूंगा में 9,262 हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख प्रदान किए जा चुके हैं। जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ग्रामीणों को अधिकार अभिलेख वितरित किए जा रहे हैं। अधिकार अभिलेख मिलने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। वर्षों से अपने मकानों में निवास कर रहे लोगों को अब अपनी संपत्ति का प्रमाणिक दस्तावेज मिल रहा है, जिससे उन्हें भविष्य में विभिन्न कार्यों में सुविधा होगी।

क्या है स्वामित्व योजना

स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण आबादी भूमि में स्थित मकानों एवं अन्य परिसंपत्तियों का जीआईएस आधारित सर्वेक्षण तथा ड्रोन के माध्यम से भू-मापन किया जाता है। सर्वेक्षण के बाद पात्र संपत्ति धारकों का स्वामित्व प्रमाण-पत्र यानी अधिकार अभिलेख तैयार कर वितरित किया जाता है। ग्रामीण आबादी भूमि के सर्वेक्षण का कार्य राजस्व विभाग एवं भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की संपत्तियों का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है। इससे प्रत्येक पात्र संपत्ति धारक को अपने मकान और भूमि के स्वामित्व का प्रमाण-पत्र प्राप्त होता है। संपत्ति की सीमा और क्षेत्रफल स्पष्ट होने से भूमि एवं मकान से जुड़े विवादों में कमी आएगी। वहीं रास्ते, ग्राम पंचायत की खुली जगह, नाले और तालाब जैसे सार्वजनिक उपयोग के स्थलों की सीमाएं भी स्पष्ट होंगी, जिससे उनके संरक्षण और रखरखाव में आसानी होगी।

ग्रामीणों के लिए कई तरह से उपयोगी होगा अधिकार अभिलेख

अधिकार अभिलेख मिलने से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का प्रमाणिक दस्तावेज उपलब्ध होगा। इसके आधार पर नियमानुसार बैंक से ऋण प्राप्त करने में सुविधा होगी और संपत्ति के आर्थिक उपयोग के अवसर बढ़ेंगे। ड्रोन तकनीक से सर्वेक्षण होने के कारण संपत्तियों की माप और अभिलेख तैयार करने में अधिक शुद्धता सुनिश्चित की जा रही है।

समाचार संक्षेप

महापौर ने डीआरएम से कहा-लोगों को नोटिस देकर परेशान न किया जाए

दल्लीराजहरा, 24 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू ने डी आर एम रायपुर से नगर पालिका क्षेत्र में निवासरत लगभग 140 परिवारों के व्यवस्थापन के संबंध में विस्तृत चर्चा कर अनावश्यक नोटिस के माध्यम से परेशान न करने की बात कही । नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू ने बताया कि दल्लीराजहरा नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 27. 26. 25. 21 जो की बहुत ही सघन बस्ती है यहाँ के निवासी विगत 60.70 वर्षों से रेलवे विभाग की जमीन पर बसे हुए हैंए जिसमें लोग व्यापारी है तो कुछ लोग आदिवासी मजदूर लोग हैं। रेलवे विभाग द्वारा विभागीय न कोई डेवलपमेंट का प्लान है उन्हें बहुत बार नोटिस देकर कि अतिक्रमण हटाओए नहीं तो आपको बेदखल कर दिया जाएगाए इस प्रकार से नोटिस के माध्यम से संचालित करते हैं और परेशान करते हैं।विगत 4 नवंबर को कार्यालय राजस्व अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर से ;अर्थात रेलवे बोर्डद्ध मुकेश कुमार चोपरा. 104 के लिए विभागीय नोटिस आया जिसमे एक माह के भीतर अतिक्रमण हटाने का नोटिस दिया गया है नहीं हटाने पर बल पूर्वक कार्यवाही का पथ सभी निवासियों को दिया गया है। पत्र से निवासी परेशान हैं। इस क्षेत्र में लगभग 700 परिवार निवासरत हैं। उस जमीन पर कई दशक से लोग बसे हुए हैं। रेलवे विभाग के कोई प्लानिंग नही है लेकिन बार.बार पत्र भेजकर मानसिक परेशान करते हैं छोटे छोटे बाल बच्चे है। कहा जायेंगे बहुत चिंता का विषय है उन्होंने कहा कि पूरा नगर पालिका परिषद् एवं नगरवासियों की ओर से वे मांग करते हैं कि कई वर्षों से बसे परिवार को अपनी ही बसे जगह पर स्थायी समाधान निकल जाए ताकि आने वाले दिनों में क्षेत्र के लोगों को किसी भी प्रकार की मानसिक व आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़े।



परीक्षा मूल्यांकन को बेहतर बनाने व्याख्याताओं को दिया गया ब्लूप्रिंट एवं प्रश्नपत्र निर्माण का प्रशिक्षण



रायगढ़, 24 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर और मूल्यांकन प्रक्रिया को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शासकीय हाई स्कूल पंचपारा में पांच दिवसीय ब्लूप्रिंट एवं प्रश्नपत्र निर्माण प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में विकासखंड के हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास एवं वाणिज्य विषयों का अध्यापन कराने वाले व्याख्याताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनरों ने व्याख्याताओं को ब्लूप्रिंट निर्माण, प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया तथा मूल्यांकन के निर्धारित मापदंडों की जानकारी दी। पांच दिनों में भारतीय ज्ञान परंपरा, विद्यालयीन संस्कृति, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, ब्लूम टैक्सोनॉमी और प्रश्नपत्र निर्माण जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में व्याख्याताओं को अपने-अपने विषयों के अनुसार ब्लूप्रिंट तैयार करने और उसके आधार पर मॉडल प्रश्नपत्र बनाने का अभ्यास कराया गया। इसमें पाठ्यक्रम की विभिन्न इकाइयों का भारांश निर्धारित करने, प्रश्नों के प्रकार, अंकों का विभाजन और कठिनाई स्तर तय करने की जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों की ज्ञान, समझ, अनुप्रयोग एवं विश्लेषणात्मक क्षमता के मूल्यांकन पर भी जोर दिया गया। प्रतिभागियों द्वारा तैयार मॉडल प्रश्नपत्रों का प्रदर्शन एवं प्रस्तुतीकरण भी किया गया। प्रशिक्षण के समापन पर सभी व्याख्याताओं को अपने विषय का कम से कम एक मॉडल प्रश्नपत्र तैयार कर भेजने के निर्देश दिए गए। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर नरेंद्र प्रधान, अरुण कुमार पटेल, असीमा तिग्गा, ओम प्रकाश शर्मा, गजानंद पटेल, कुलमणि महानंदिया, रीना सिंह, नेहरू निषाद एवं नैमिष पाणिग्राही ने विभिन्न विषयों पर व्याख्याताओं को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के सफल आयोजन में सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी रुद्र प्रताप एक्का, शासकीय हाई स्कूल पंचपारा की प्राचार्य चंद्रकांता खरे एवं विद्यालयीन स्टाफ का विशेष योगदान रहा। इसके अलावा शांतनु गुप्ता, जगदीश पटेल, सालिक राम पटेल, शांति ठाकुर एवं सुभाष साहू ने भी सहयोग किया।

जनदर्शन में सुनी गई आमजनों की समस्याएं समय-सीमा में निराकरण के दिए गए निर्देश



रायगढ़, 24 नवम्बर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला कलेक्ट्रेट में प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन में आज नागरिकों की समस्याएं और शिकायतें सुनी गईं। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार एडीएम श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो ने विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आवेदकों से मुलाकात कर उनके आवेदन प्राप्त किए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर गंभीरता से विचार करते हुए नियमानुसार समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जनदर्शन में ग्राम बाजीनपाली की श्रीमती सावित्री पटेल ने मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना का लाभ दिलाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। ग्राम जोबी के जगदीश प्रसाद राठिया ने बताया कि किसान पोर्टल पर उनका कुल कृषि रकबा एवं धान का रकबा शून्य प्रदर्शित हो रहा है। वहीं एग्रीस्टेक पोर्टल में व्यक्तिगत जानकारी से जुड़ी समस्या के कारण धान पंजीयन कराने में परेशानी आ रही है। उन्होंने पोर्टल में आवश्यक सुधार कराने की मांग की। इसी तरह ग्राम दर्रीडीह के रतन कुमार गुप्ता ने धान खरीदी पोर्टल में खसरा नंबर एवं रकबा अन्य व्यक्ति के नाम पर दर्ज होने की समस्या बताते हुए सुधार के लिए आवेदन दिया। मधुबनपारा रायगढ़ के असगर खान ने असंगठित कर्मकार मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत नामिनी की बैंक पासबुक में आईएफएससी कोड में सुधार कराने की मांग की। वहीं साल्हेपाली के टीकाराम पटेल ने ऋण पुस्तिका में नाम सुधार के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। जनदर्शन में अन्य आवेदकों ने भी अपनी विभिन्न मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन एडीएम के समक्ष रखे। एडीएम ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को प्रकरणों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने तथा आवेदकों को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 180 संविदा पदों पर होगी भर्ती

रायगढ़, 24 नवम्बर । राष्

एक नजर

बोर्ड परीक्षा में शतप्रतिशत परिणाम के लिये अगले 100 दिन की रणनीति बनाएं:कलेक्टर



बलौदबाजार, 24 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। जिले में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार एवं बोर्ड परीक्षाओं में शतप्रतिशत परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा मिशन उत्कर्ष संचालित की जा रही है। मिशन उत्कर्ष अंतर्गत हाल ही लिये गये कक्षा 10 वीं एवं 12 वी की त्रैमासिक परीक्षा परिणाम के सम्बंध मे कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने सोमवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलौदाबाजार मे प्राचार्य एवं बी ईओ की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने 10 वी एवं 12 की परीक्षा मे शतप्रतिशत परिणाम लाने अगले 100 दिन की रणनीति बनाने तथा कमजोर प्रदर्शन वाले स्कूलों मे रिमेडियल क्लास लगाने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि मिशन उत्कर्ष का एक ही उद्देश्य है कि कक्षा 10 वी और 12 वी मे जिले का शतप्रतिशत परिणाम हो। अभी जिन स्कूलों का प्रदर्शन औसत हैं उन स्कूलों का बीईओ दौरा करें और प्राचार्य से कमियों की जानकारी लेकर सुधार हेतु उपचारात्मक कदम उठायें।उन्होंने कहा कि सभी शिक्षक अपनी जिम्मेदारियों का पूरी ईमानदारी से निर्वाहन करें,स्कूलों मे बेहतर वातावरण बनाएं। जिन विषयो मे बच्चे कमजोर हैं उन विषयो पर विशेष फोकस करें। सभी शिक्षक अगले 100 दिन के लिये प्रतिदिन शिक्षण की कार्ययोजना बनाएं और बच्चों को परीक्षा की तैयारी कराएं। मिशन उत्कर्ष अन्तर्गत उत्कर्ष ई-कक्षा का संचालन जिला प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल हैं।डिजिटल तकनीक के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को विद्यार्थियों तक पहुंचाने की यह पहल जिले की शैक्षणिक व्यवस्था को नई दिशा प्रदान कर रही है।इस अभिनव योजना के अंतर्गत कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थी अपने-अपने विद्यालयों में उपस्थित रहकर यूट्यूब के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाओं से जुड़ रहे हैं। विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम आधारित अध्यापन, कठिन अवधारणाओं की सरल व्याख्या एवं बोर्ड परीक्षाओं की प्रभावी तैयारी के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।

खाद्य एवं औषधि विभाग ने होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का किया निरीक्षण

बलौदबाजार, 24 नवंबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नवम्बर से 30 नवम्बर 2026 तक 15 दिवसीय विशेष सघन निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान सुरक्षित आहार, हमर अधिकार संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर अभिहित अधिकारी अक्षय कुमार सोनी के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा जिले के विभिन्न होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया। अभियान के अंतर्गत टीम द्वारा शमा हैदराबादी विरियानी सेंटर बस स्टैंड, भाटापारा तथा गुप्ता कैंटीन रवान का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। इस दौरान गुणवत्ता जांच हेतु ग्रेवी, तेल, दूध, मटर, पोहा एवं शक्कर के नमूने संकलित कर जांच के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इसके साथ ही मुस्कान होटल एंड रेस्टो जगदीश टावर, एक्सिस बैंक के पास, गार्डन चौक, सिविल लाइन, वार्ड नं. 21 गुरु रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड, बलौदाबाजार के निरीक्षण के दौरान शाकाहारी एवं मांसाहारी खाद्य पदार्थों को अलग-अलग संग्रहित नहीं रखने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले के समस्त होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट एवं स्ट्रीट फूड संचालकों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्रतिष्ठानों में स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन करें, शाकाहारी एवं मांसाहारी खाद्य पदार्थों का पृथक-पृथक भंडारण सुनिश्चित करें, खाद्य पदार्थों की पैकिंग में अखबारी कागज का उपयोग न करें तथा प्रतिबंधित या अमानक रंगों का प्रयोग न करें।

बाढ़ आपदा से निपटने बालसमुंद जलाशय में किया मॉक एक्सरसाइज

■ एसडीआरएफटीम सहित विभिन्न विभागों ने अभ्यास मे लिया हिस्सा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 24 नवंबर। भारत सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार बाढ़ आपदा से बचाव प्रशिक्षण हेतु गुरुवार को पलारी स्थित बालसमुंद जलाशय में जिला स्तर पर मॉक ड्रिल किया गया। इस मॉक एक्सरसाइज में एनडीआरएफ कमांड, एसडीआरएफ टीम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लिया।

पहला अभ्यास भारी बारिश के कारण जलमग्न होने से एक टापू पर फंसे ग्रामीणों की रेस्क्यू एवं दूसरा नदी में डूबते हुए ग्रामीण की रिस्कयू की गई।टापू में फंसे होने की सूचना



मिलते ही जिला प्रशासन एवं जिला आपदा प्रबंधन टीम द्वारा रेस्क्यू अभियान के लिए टीमों को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिये गए। एसडीआरएफ पुलिस, होमगार्ड, राजस्व, मेडिकल सहित अन्य विभाग की टीम मौके पर पहुंचे। एसडीआरएफ की टीम लाइफ जैकेट एवं अन्य साजो-सामान के साथ मोटर बोट में रेस्क्यू के लिए रवाना हुए। टापू में पहुंचकर ग्रामीणों को मोटर बोट में बैठाकर लाया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा आपदा के दौरान घायल अथवा प्रभावित व्यक्तियों को फर्स्ट एड देने तथा पानी में डूबने वाले व्यक्ति को बचाने के बाद आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी दी गई। मॉक ड्रिल के माध्यम से विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय से आपदा एवं राहत कार्यों को किस प्रकार व्यवस्थित, त्वरित एवं प्रभावी ढंग से संचालित किया जाता है, इसका व्यवहारिक प्रदर्शन किया गया। रेस्क्यू, सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, प्राथमिक उपचार, भोजन एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने से लेकर प्रभावितों को मानसिक संबल प्रदान करने तक की पूरी प्रक्रिया को प्रदर्शित किया गया। ग्रामीणों को दी गई आपदा से बचाव एवं सूचना की जानकारी मॉक ड्रिल को देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित रहे। इस दौरान अपर कलेक्टर ए.आर.टंडन सभी एसडीएम, तहसीलदार विभिन्न विभागों के अधिकारी सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

मानव तस्करी और घरेलू हिंसा के खिलाफ सामूहिक प्रयासों से खड़ा करना होगा जनआंदोलन : मुख्यमंत्री

रायपुर 24 नवंबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा है कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों के लिए सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं है। इनका उन्मूलन केवल सरकार या किसी एक संस्था के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए पूरे समाज को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा, सम्मान तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मानव तस्करी और घरेलू हिंसा के विरुद्ध सामूहिक संकल्प लेकर इसे जनआंदोलन का स्वरूप देना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभागार में मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा विषय पर आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा अत्यंत संवेदनशील विषय हैं, जिनका सीधा संबंध महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और उनके भविष्य से है। इन विषयों पर विचार-विमर्श के लिए न्यायपालिका, पुलिस, विश्वविद्यालयों, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक संगठनों के अनुभवी प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाना सराहनीय पहल है। उन्होंने राज्य महिला आयोग के इस प्रयास की प्रशंसा



करते हुए कहा कि कार्यशाला में सामने आए विचार और सुझाव महिलाओं की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने में उपयोगी सिद्ध होंगे।

मुख्यमंत्री ने भारतीय संस्कृति में नारी सम्मान की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे शास्त्रों में कहा गया है, 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः', अर्थात जहां नारियों का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सम्मान और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना केवल शासन का दायित्व नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने गृह जिले जशपुर का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय वहां मानव तस्करी की समस्या गंभीर थी। सरकार, पुलिस, महिला आयोग और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से इस समस्या में कमी आई है। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी के अनेक मामलों में परिचित व्यक्ति ही नौकरी या बेहतर भविष्य का प्रलोभन देकर बेटियों को अपने जाल में फंसा लेते हैं। ऐसे मामलों को रोकने के लिए परिवारों और समाज में जागरूकता तथा सतर्कता अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने जनसेवा के अपने लंबे अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे पिछले 30-35 वर्षों से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हैं। लगभग 20 वर्षों तक सांसद के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान मानव तस्करी के अनेक मामले उनके सामने आए। ऐसे मामलों में आवश्यक पहल कर कई बेटियों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराने में सहयोग किया। उन्होंने कहा कि इन अनुभवों ने महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति देशभर में जागरूकता बढ़ाई है। इसी भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार भी महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में 42 सखी वन स्टॉप सेंटर संचालित हैं, जहां हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक ही स्थान पर चिकित्सा सहायता, कानूनी परामर्श, मनोवैज्ञानिक सहयोग और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि महिलाओं और बेटियों की सहायता के लिए 24 घंटे संचालित महिला हेल्पलाइन नंबर 181 तथा आपातकालीन सहायता नंबर 112 की व्यवस्था है। महिलाओं की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में महिला थानों की संख्या बढ़ाई गई है और पुलिस थानों में महिला हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ पुलिस के 'अभिव्यक्ति ऐप' के माध्यम से महिलाएं अपनी शिकायतें दर्ज कराने के साथ सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी भी प्राप्त कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के साथ उनका आर्थिक सशक्तिकरण भी सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में महतारी वंदन योजना संचालित की जा रही है। योजना की 33 किश्तें जारी की जा चुकी हैं और वर्तमान में 68 लाख से अधिक माताएं-बहनें इससे लाभान्वित हो रही हैं।

धान खरीदी की कलेक्टर ने समीक्षा कर राइस मिलर्स और बिचौलियों पर कड़ी निगरानी के दिए निर्देश

बलौदाबाजार, 24 नवंबर। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने सोमवार को खाद्य, सहकारिता, कृषि एवं मंडी बोर्ड के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में समर्थन मूल्य पर जारी धान खरीदी की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने राइस मिलर्स, कोचियों एवं बिचौलियों पर कड़ी निगरानी रखने तथा पुराने धान को अवैध रूप से खपाने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिले में अब तक 2,775 किसानों से कुल 8,479 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। कलेक्टर ने बड़े किसानों के भी अधिक से अधिक टोकन जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने धान को उपार्जन केंद्रों में खपाने की कोशिश करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए राइस



मिलर्स और कोचियों की भी जांच कराने को कहा। साथ ही राइस मिलों में बिजली मीटर की खपत एवं उपलब्ध धान के स्टॉक का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने मंडियों में भी धान की खरीदी पर विशेष निगरानी रखने तथा खरीदे गए धान का जल्द उठाव सुनिश्चित करने को कहा। मंडियों में धान बेचने वाले किसानों से भी नियमानुसार रकबा समर्पण कराने के निर्देश दिए। वहीं, पोहा मिलों में धान बेचने वाले किसानों से सौदा पत्रक प्राप्त कर बिक्री संबंधी जानकारी जुटाने को कहा। कलेक्टर ने मंडियों से अवैध रूप से धान खपाने की किसी भी कोशिश की तत्काल सूचना देने तथा उपार्जन केंद्रों में खरीदे गए धान की उचित स्टेकिंग सुनिश्चित करने को कहा, ताकि धान का सुरक्षित भंडारण हो सके और खरीदी प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित हो।उन्होंने अब तक जिन उपार्जन केंद्रों में खरीदी प्रारंभ नहीं हुई है, वहां इस सप्ताह तक खरीदी शुरू कराने के निर्देश दिए।

घर बैठे मिला ऑनलाइन टोकन, धान बेचना हुआ आसान

रायपुर. 24 नवंबर। प्रदेशभर के धान खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए पेयजल, तिरपाल और बारदाने सहित खरीदी से जुड़ी जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं। घर बैठे ऑनलाइन टोकन मिलने से किसान निर्धारित समय पर अपनी उपज लेकर केंद्र पहुंच रहे हैं। धान बेचने आए किसानों ने केंद्र की व्यवस्थाओं और ऑनलाइन टोकन की सुविधा की सराहना की। बिलासपुर जिले ग्राम छतौना के किसान श्री दिनेश कुमार कौशिक 83 कट्टी धान लेकर छतौना उपार्जन केंद्र पहुंचे। उन्होंने बताया कि केंद्र में धान को ढकने के लिए तिरपाल, पर्याप्त बारदाने और किसानों के लिए पेयजल सहित अन्य जरूरी व्यवस्था की गई है।

सिमगा में गुरु नानक जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई, निकाली गई प्रभात फेरी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

सिमगा 24 नवंबर। सिख धर्म के संस्थापक एवं प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व सिमगा नगर में धूमधाम, हर्षोल्लास एवं धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर सिख समाज के साथ-साथ सिंधी समाज एवं नगर के अन्य श्रद्धालुओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे नगर में उत्साह और भक्तिमय वातावरण देखने को मिला।

गुरु नानक जयंती के अवसर पर सुबह श्रद्धालुओं द्वारा नगर में भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में सिख समाज एवं सिंधी समाज के लोग उपस्थित रहे।गुरु नानक देव जी के जयकारों और मधुर गुरुवाणी से पूरा नगर भक्तिमय हो उठा। प्रभात फेरी के माध्यम से गुरु नानक देव जी के प्रेम, शांति, भाईचारे एवं मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया गया। इसके पश्चात गुरुद्वारे में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं ने गुरु ग्रंथ साहिब जी के समक्ष मत्था टेककर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की अरदास की। गुरुवाणी, भजन-कीर्तन एवं गुरु नानक देव जी के उपदेशों का स्मरण किया गया। इस अवसर पर

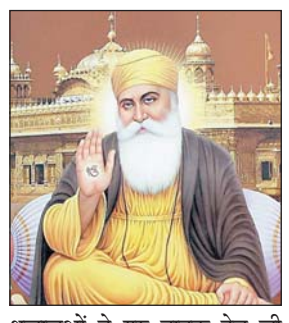

श्रद्धालुओं ने गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। गुरु नानक देव जी ने समाज को प्रेम, भाईचारे, समानता, सेवा और मानवता का संदेश दिया। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच एवं भेदभाव से ऊपर उठकर सभी मनुष्यों को समान समझने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं गुरु का लंगर आयोजित किया गया। सभी ने मिल-जुलकर सेवा एवं सहयोग की भावना के साथ लंगर ग्रहण किया। गुरु नानक जयंती के अवसर पर सिमगा नगर में सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव एवं धार्मिक सौहार्द की सुंदर मिसाल देखने को मिली। सिख समाज, सिंधी समाज एवं नगरवासियों ने एक-दूसरे को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं दीं तथा गुरु नानक देव जी के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

बस्तर जिले की 7 जनपद पंचायतों में उपनिर्वाचन की तैयारियां तेज

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 24 नवंबर। बस्तर जिले की विभिन्न जनपद पंचायतों में रिक्त पदों पर निर्वाचन संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आकाश छिक्कारा द्वारा जारी आदेश के अनुसार 7 जनपद पंचायतों के लिए रिटर्निंग ऑफिसर (पंचायत) और सहायक रिटर्निंग ऑफिसर (पंचायत) की नियुक्ति की गई है। यह आदेश छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 की धारा-42 सहपठित छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम, 1995 के नियम 20 तथा 21 के तहत प्रदत्त शक्तियों और राज्य निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के आधार पर जारी किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी आदेश के तहत जिले की 7 जनपद पंचायतों में कुल 2 सरपंच और 20 पंच पदों के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संचालित की जानी है। जनपद पंचायत जगदलपुर के अंतर्गत माड़पाल में 01 सरपंच पद के निर्वाचन के लिए तहसीलदार जगदलपुर श्री राहुल कुमार गुप्ता को रिटर्निंग ऑफिसर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बिरेन्द्र बहादुर को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। जनपद पंचायत बस्तर के नवा रतेंगा, सितलावंड, मुरकुची, कुम्हली और भोण्ड में कुल 05 पंच पदों के लिए तहसीलदार बस्तर श्रीमती जॉली जेम्स को रिटर्निंग ऑफिसर तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री श्वेता वर्मा को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर बनाया गया है।इसी प्रकार जनपद पंचायत बकावंड के चारगांव, गारेंगा, कोहकापाल, छोटेदेवड़ा, नलपावंड, तारापुर और पोलेबेड़ा में 07 पंच पदों के निर्वाचन हेतु तहसीलदार बकावंड श्रीमती जागेश्वरी गावड़े को रिटर्निंग ऑफिसर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री श्वेता साहू को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।जनपद पंचायत लोहंडीगुड़ा के अंतर्गत मारीकोडेर, अलनार और तारागांव में 03 पंच पदों तथा बोदली में 01 सरपंच पद के निर्वाचन के लिए तहसीलदार लोहंडीगुड़ा श्री कैलाश पोयाम को रिटर्निंग ऑफिसर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री धनेश्वर पाण्डे को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है।वहीं जनपद पंचायत तोकापाल के केशलूर में 01 पंच पद के लिए तहसीलदार तोकापाल श्रीमती यशोदा केतारप को रिटर्निंग ऑफिसर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती नीलू तिर्की को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर का दायित्व मिला है।

पंडित चक्रपाणी शुक्ल हायर सेकंडरी स्कूल मे उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 24 नवंबर। जिला उपभोक्ता आयोग बलौदाबाजार द्वारा स्वामी आत्मानंद पण्डित चक्रपाणी शुक्ल शासकीय बहुउद्?देशीय उच्चतर माध्यमिक वि?द्यालय बलौदाबाजार में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर मे जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आम नागरिकों एवं स्कूली छात्र छात्राओं, वि?द्यालयीन स्टॉफ को उपभोक्ता कानून सम्बंधित जानकारी प्रदान की गई। जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष रंजना दता, सदस्यगण शारदा सोनी एवं हरजीत सिंह चावला ने छात्र छात्राओं, को उनके अधिकारों व हितों की विस्तृत जानकारी दी एवं जागरुकता सम्बंधित पम्पलेट का वितरण किया गया। छात्र छात्राओं को उपभोक्ताओं के उनके अधिकारों, कर्तव्यों तथा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों से जागरुक किया जा रहा है जिससे जिले में उपभोक्ता प्रकरणो की वृद्धि भी हो रही है । उपभोक्ता जागरूकता ही शोषण से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। उनके द्वारा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की जानकारी देते हुए बताया कि उपभोक्ताओं को गुणवतापूर्ण वस्तु एवं सेवाएं प्राप्त करना उनका कानूनी अधिकार है। उपभोक्ताओं को किसी वस्तु की कीमत, गुणवता की जांच, मात्रा की जांच, सेवा व संविदा शर्ते, बीमा, मेडिकल क्लेम फाइनेंस कंपनियां, बैंक, यातायात वाहन, आनताइन खरीददारी सोच समझकर करनी चाहिए।शिकायतकर्ता में लगने वाले शुल्क के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यदि उपभोक्ता शिकायत का मूल्य पाँच लाख तक हो तो उस पर कोई शुल्क नहीं लगता है शिकायत निःशुल्क रहती है। फ़ाइलिंग व ई हियररिंग के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि आयोगों के समक्ष शिकायत अब ई फाइलिंग के माध्यम से ऑनलाइन ही की जाती है जो अब अनिवार्य है इसके लिए उपभोक्ता ई जागृति पोर्टल का उपयोग कर सकते हैं।

देशी शराब बिक्री रकम गबन कर फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बलौदाबाजार, 24 नवंबर। पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा आर्थिक अपराधों, गबन एवं धोखाधड़ी के मामलों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध त्वरित एवं सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना गिधपुरी पुलिस और सायबर सेल की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए देशी कंपोजिट मदिरा दुकान गिधपुरी की बिक्री राशि ?20,46,730 का गबन कर फरार हुए आरोपी सुपरवाइजर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

प्रार्थी रजनीश प्रसाद साव उम्र 41 वर्ष, निवासी- सुभाष नगर, अंबिकापुर, जिला सरगुजा, हाल पता- कृष्णायन कॉलोनी, बलौदाबाजार द्वारा दिनांक 16.11.2026 को थाना गिधपुरी में



रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि सीएमएस इंफो सिस्टम्स लिमिटेड के कैश कलेक्टर द्वारा फोन पर सूचना दी गई कि देशी कंपोजिट मदिरा दुकान गिधपुरी के सुपरवाइजर गंवेन्द्र बंजारे द्वारा बिक्री की राशि जमा नहीं की जा रही है। कैश देने के लिए कहने पर आरोपी ने हामी भरी, लेकिन शाम करीब 04 से 4:30 बजे के आसपास अपना मोबाइल बंद कर दिया और फरार हो गया। दिनांक 13.11.2026 को कंपनी की टीम एवं आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त पलारी द्वारा दुकान के रिकॉर्ड, बैंक जमा पर्ची तथा ऑनलाइन जमा पर्ची का 01.11.2026 से 13.11.2026 (दोपहर 12:30 बजे तक) की बिक्री राशि से मिलान किया गया।

थाना गिधपुरी एवं सायबर सेल की संयुक्त पुलिस टीम की कार्रवाईः- ?प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना गिधपुरी में अपराध क्रमांक 169/2026, धारा 316(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रार्थी एवं गवाहों के कथन लेखबद्ध किए गए। ?घटना के बाद से ही आरोपी लगातार फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु गठित गिधपुरी एवं सायबर सेल की टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों एवं सुरागों के आधार पर पतासाजी करते हुए आरोपी को पकड़कर लाया गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा उक्त अपराध करना स्वीकार किया गया। प्रकरण में जांच एवं विवेचना क्रम में किसी अन्य आरोपी की भी संलिप्तता के संबंध में गहन एवं सूक्ष्मतापूर्वक जांच की जा रही है। प्रकरण विवेचना में है। आरोपी को दिनांक 22.11.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

देश की विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकतः अरुण साव

रायपुर. 24 नवंबर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव से छत्तीसगढ़ के भ्रमण पर आए 6 राज्यों के युवाओं ने मुलाकात की। भारत सरकार के 'वंदे मातरम शिविर' के तहत त्रिपुरा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से कुल 150 युवा छत्तीसगढ़ आए हुए हैं। सप्ताह भर के भ्रमण के दौरान ये युवा छत्तीसगढ़ की संस्कृति, कला, खानपान, इतिहास, पुरातात्विक वैभव और विकास से रू-ब-रू हुए। उन्होंने एक-दूसरे के राज्यों की संस्कृति खानपान और रहन-सहन के बारे में भी जाना। प्रवास के अंतिम दिन उन्होंने उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव से मुलाकात कर अपने अनुभव साझा किए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अपने नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में अलग-अलग राज्यों से आए युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण और उसके नेतृत्व की जिम्मेदारी आज की युवा पीढ़ी के कंधों पर होगी। देश के युवाओं में वह योग्यता, क्षमता और आत्मविश्वास है, जिससे भारत को दुनिया में अग्रणी बनाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश की संस्कृति, सभ्यता और गौरव के प्रति सम्मान का भाव रखते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

कार्तिक पूर्णिमा पर महादेव घाट पहुंचे भूपेश, खारुन में लगाई डुबकी

रायपुर, 24 नवंबर। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल मंगलवार सुबह राजधानी रायपुर के महादेव घाट पहुंचे। यहां उन्होंने खारुन नदी में पवित्र स्नान किया। इस दौरान उन्होंने अपनी पुरानी परंपरा को निभाते हुए गुलाटी लगाकर नदी में छलांग भी लगाई। स्नान के बाद उन्होंने हटकेश्वर महादेव मंदिर में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर महादेव घाट में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली।



आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग खारुन नदी में आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र नदी में स्नान, दीपदान और पूजा-अर्चना का विशेष महत्व माना जाता है।



इसी धार्मिक परंपरा के तहत पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी सुबह महादेव घाट पहुंचे। उनके आगमन के दौरान घाट पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। नदी में स्नान करने के बाद उन्होंने दीपदान किया और हटकेश्वर महादेव को जल अर्पित कर प्रदेश की सुख-शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

गौरतलब है कि महादेव घाट रायपुर का प्रमुख धार्मिक एवं आस्था का केंद्र है। विशेष पर्वों पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर महादेव घाट में तीन दिवसीय मेले का भी आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है।

एक नजर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जनदर्शन 26 को

रायपुर 24 नवंबर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जनदर्शन कार्यक्रम गुरुवार 26 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री निवास, सिविल लाइन, रायपुर में दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आयोजित जनदर्शन में मुख्यमंत्री साय आमजनों से सीधे मुलाकात कर उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनेंगे। मुख्यमंत्री साय जनदर्शन के दौरान नागरिकों की समस्याओं से रूबरू होंगे तथा उनके त्वरित एवं यथोचित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। जनदर्शन में आमजन अपनी समस्याओं, मांगों और सुझावों को सीधे मुख्यमंत्री के समक्ष रख सकेंगे।

» मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आमजनों से करेंगे मुलाकात

बेवजह लोगों को परेशान कर पैसों की मांग करने वाले अधिकारियों पर होगी सख्त कार्रवाई : चिमनानी

रायपुर, 24 नवंबर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी ने जगदलपुर में स्टेट जीएसटी की सहायक आयुक्त एवं अन्य लोगों के विरुद्ध एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) द्वारा की गई रंगे हाथों गिरफ्तारी की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर पूरी कठोरता से कार्य कर रही है। चिमनानी ने कहा कि प्रदेश में सुशासन की स्थापना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता चिमनानी ने कहा कि जीएसटी प्रकरण में राहत देने के नाम पर रिश्वतखोरी करने वाले अधिकारी और बिचौलिए के खिलाफएसीबी की यह त्वरित कार्रवाई यह स्पष्ट संदेश देती है कि साय सरकार में पद और प्रभाव का दुरुपयोग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। भ्रष्टाचार में संलिप्त व्यक्ति चाहे कितना ही रसूखदार या किसी भी पद पर क्यों न हो, उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। चिमनानी ने पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में भ्रष्टाचार को संरक्षण प्राप्त था और जाँच एजेंसियों के हाथ बांध दिए गए थे, लेकिन आज छत्तीसगढ़ में स्थितियाँ पूरी तरह बदल चुकी हैं। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में जाँच एजेंसियाँ पूरी स्वतंत्रता और पारदर्शिता के साथ काम कर रही हैं, जिससे जनता का विश्वास शासन और प्रशासन के प्रति अधिक मजबूत हुआ है।

दस दिन की पैरोल पर जेल से बाहर आया हत्या का दोषी 18 साल से फरार

अब जेल प्रशासन ने दर्ज कराई एफआईआर

रायपुर, 24 नवम्बर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में हत्या के मामले में सजा काट रहा एक बंदी पैरोल पर जेल से बाहर आने के बाद पिछले 18 साल से फरार है। 10 दिन की पैरोल मिलने के बाद जेल से निकला गणेश देवांगन निर्धारित समय पर वापस नहीं लौटा। अब करीब 18 साल बाद कोतवाली थाना पुलिस ने उसके खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



2008 में 10 दिन के पैरोल पर हुआ था रिहा

जानकारी के अनुसार, बंदी गणेश देवांगन पिता लक्ष्मीनारायण देवांगन को 23 जुलाई 2008 को 10 दिन के पैरोल पर केंद्रीय जेल रायपुर से रिहा किया गया था। पैरोल की अवधि पूरी होने के बाद उसे वापस जेल में दाखिल होना था, लेकिन वह तय तारीख पर नहीं पहुंचा। इसके बाद से उसका कोई पता नहीं चल सका।

जेल अधीक्षक के पत्र पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

इस मामले में केंद्रीय जेल रायपुर के अधीक्षक ने 19 नवंबर 2026 को कोतवाली थाना प्रभारी को पत्र भेजकर फरार बंदी के खिलाफकार्रवाई की मांग की थी। पत्र के मुताबिक, बंदी क्रमांक 9480/95 गणेश देवांगन को जिला दंडाधिकारी रायपुर के आदेश के तहत पैरोल पर छोड़ा गया था। निर्धारित अवधि समाप्त होने के बावजूद उसके वापस नहीं लौटने पर जेल प्रशासन ने पहले भी पुलिस से पत्राचार किया था।

बंदी का पुराना पता पुरानी बस्ती क्षेत्र के मिनीमाता चौक-बूढ़ेश्वर चौक का बताया गया है। संबंधित दस्तावेजों और थाना सीमा की जांच के बाद मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का पाया गया।

हाईकोर्ट से जुड़ा है मामला

जेल अधीक्षक ने अपने पत्र में बताया कि यह मामला उच्च न्यायालय से संबंधित है। ऐसे में फरार बंदी की वर्तमान स्थिति की जानकारी और एफआईआर की प्रति उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

फरार बंदी की तलाश में पुलिस

केंद्रीय जेल से मिले पत्र और दस्तावेजों के आधार पर कोतवाली पुलिस ने गणेश देवांगन के खिलाफभारतीय दंड संहिता की धारा 224 के तहत अपराध दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की विवेचना में जुटी है। अब पुलिस के सामने 18 साल से फरार बंदी का पता लगाकर उसे गिरफ्तार करने की चुनौती है।

आरंग रेलवे साइडिंग पर बिना सूचना सीमेंट कच्चे मटेरियल की लोडिंग शुरू

धूल के गुबार से कॉलोनियों में सांस लेना हुआ मुश्किल

रायपुर/आरंग, 24 नवम्बर। आरंग रेलवे स्टेशन के साइडिंग एरिया में निर्माणाधीन कार्य के बीच कथित तौर पर पूर्व सूचना और सुरक्षा उपायों के बिना सीमेंट बनाने के कच्चे मटेरियल की लोडिंग-अनलोडिंग शुरू होने से स्थानीय रहवासियों में भारी आक्रोश है. इस गंभीर पर्यावरणीय और जनसुरक्षा मुद्दे को लेकर बालाजी कॉलोनी के अध्यक्ष और पूर्व जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि पिंटू कुर्रे ने क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी (रायपुर), सदस्य सचिव पर्यावरण संरक्षण मंडल (नवा रायपुर), एनजीटी (भोपाल एवं नई दिल्ली), डीआरएम और स्थानीय थाना प्रभारी से लिखित शिकायत दी है.



5 नवंबर से लोडिंग शुरू होने का आरोप

शिकायतकर्ता पिंटू कुर्रे ने बताया कि रेलवे द्वारा निर्माणाधीन साइडिंग का काम अभी पूरा नहीं हुआ है, लेकिन पिछले 5 नवंबर से मेसर्स NU VISTA Limited (रिसदा, बलौदाबाजार) यहां से सीमेंट बनाने का कच्चा मटेरियल मालगाड़ियों के माध्यम से बाहर भेजा रहा है. आरोप है कि शहर के नागरिकों को बिना सूचित किए यह कार्य शुरू किया गया. लोडिंग-अनलोडिंग के दौरान भारी मात्रा में धूल उड़ रही है.

रिहायशी इलाकों और स्कूलों पर सीधा असर

पिंटू कुर्रे कहना है कि रेलवे साइडिंग से बालाजीपुरम कॉलोनी की दूरी लगभग 200 मीटर है. इसके ठीक पीछे दीनदयाल और अटल नगर कॉलोनी है. जहां गौरव पथ पर सुबह-शाम लोग टहलते हैं, लेकिन इन दिनों उन्हें भारी वाहनों की आवाजाही से उड़ने वाली धूल के गुबार का सामना करना पड़ रहा है. इसके अलावा बालाजीपुरम कॉलोनी के बाहर दो स्कूल संचालित हैं, जिनमें पढ़ने वाले बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रदूषण का प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है.

कॉलोनी मार्ग से भारी गाड़ियां गुजरने की शिकायत

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कच्चा मटेरियल से लदी भारी गाड़ियां हाईवे के सर्विस रोड का इस्तेमाल करने के बजाए बालाजीपुरम कॉलोनी और इंदिरा चौक के आसपास से तेज रफ्तार में गुजरती हैं. सड़कों पर धूल उड़ने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है. साथ ही अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है.

यात्रियों को स्टेशन पहुंचने में होती है परेशानी : पिंटू कुर्रे

पिंटू कुर्रे ने बताया कि स्टेशन और साइडिंग क्षेत्र में आवागमन के सीमित विकल्पों के कारण बुजुर्गों और दिव्यांग यात्रियों को ट्रेन पकड़ने और स्टेशन से बाहर निकलने में काफी परेशानी होती है. ऐसे में ओवरब्रिज ही उनके लिए आवागमन का प्रमुख विकल्प बना हुआ है.

तत्काल रोक और धूल नियंत्रण की मांग

समिति और स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि जब तक साइडिंग का काम पूरा नहीं होने और प्रदूषण पर नियंत्रण के ठोस इंतजाम सुनिश्चित नहीं किए जाते, तब तक कच्चे मटेरियल की लोडिंग-अनलोडिंग पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही, इसके लिए जिम्मेदार कंपनी और संबंधित व्यवस्था के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाए।

जेल से रिहा हुए अमित बघेल

समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ निकाली रैली

» कहा- 2028 में छत्तीसगढ़िया समाज इस सरकार को सत्ता से करेगा बाहर

रायपुर, 24 नवम्बर। हेट स्पीच मामले में जेल में बंद जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष अमित बघेल सोमवार को रिहा हो गए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें रिहाई मिली। जेल से बाहर आते ही समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। जेल के बाहर बड़ी संख्या में समर्थकों और पार्टी पदाधिकारियों का जमावड़ा लगा रहा। इस दौरान आतिशबाजी की गई और ढोल-डीजे के साथ जश्न मनाया गया। जेल से निकलने के बाद अमित बघेल सीधे गुरुघासीदास बाबा चौक स्थित महतारी अंगना पहुंचे। यहां उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की आरती की। इस दौरान छत्तीसगढ़िया समाज के लोगों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद शहर में जगह-जगह उनका स्वागत किया गया।



रिहाई के बाद अमित बघेल का बयान

जेल से रिहा होने के बाद अमित बघेल ने ऐलान किया कि आने वाले दिनों में अडानी के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि छत्तीसगढ़िया लोगों के ऊपर बीजेपी और कांग्रेस की सरकार अत्याचार कर रही है। सभी लोगों को 2028 का इंतजार है। सभी छत्तीसगढ़िया लोग इस सरकार को भगाने का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि पार्टी की आगामी रणनीति को लेकर बैठक की जाएगी। साथ ही नगरीय निकाय चुनाव को लेकर भी बड़ी प्लानिंग तैयार की जा रही है। सरकार के खिलाफआंदोलन और भी तेज किया जाएगा।

बता दें कि अमित बघेल हेट स्पीच के आरोप में जेल में बंद थे। उनके खिलाफ अलग-अलग राज्यों में एफआईआर दर्ज की गई थीं। सुप्रीम कोर्ट से रिहाई का आदेश मिलने के बाद उन्हें जेल से बाहर आने का रास्ता मिला।

मिशन-2028 की तैयारी में जुटी भाजपा

युवा मोर्चा को दिया 25 दिन का टास्क

» हर बूथ पर बनेगी युवाओं की टीम
» सोशल मीडिया पर भी सक्रियता बढ़ाने की तैयारी
» मुख्यमंत्री साय और संगठन के वरिष्ठ नेताओं ने युवा मोर्चा पदाधिकारियों को दिए निर्देश

रायपुर, 24 नवंबर। छत्तीसगढ़ में वर्ष 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा ने अभी से संगठन को मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है। पार्टी ने मिशन 2028 के तहत युवाओं को संगठन से जोड़ने और बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की मजबूत टीम तैयार करने पर विशेष जोर दिया है। इस अभियान में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। युवा मोर्चा को अगले 25 दिनों के भीतर मंडल से लेकर बूथ स्तर तक युवाओं की टीम तैयार करने का लक्ष्य दिया गया है।

इस संबंध में 22 और 23 नवंबर को रायपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में युवा मोर्चा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव और प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर संगठन की गतिविधियों और युवा मोर्चा की भूमिका पर चर्चा की गई।

हर मंडल और बूथ पर युवाओं को जोड़ने का लक्ष्य : बैठक में युवा मोर्चा के पदाधिकारियों को अगले 25 दिनों के लिए विशेष कार्ययोजना पर काम करने के निर्देश दिए गए। इसके तहत प्रदेश के प्रत्येक मंडल और बूथ पर युवाओं को संगठन से जोड़कर उनकी टीम तैयार करने पर जोर रहेगा। पार्टी की कोशिश है कि चुनाव से पहले गांवों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक बूथ स्तर पर सक्रिय युवा कार्यकर्ताओं का नेटवर्क तैयार हो, ताकि संगठन की गतिविधियां लगातार संचालित होती रहें।

महिला कांग्रेस की पहली नियुक्ति सूची जारी : 17 जिलों में जिलाध्यक्ष नियुक्त

रायपुर, 24 नवंबर। छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष संगीता सिन्हा ने संगठनात्मक नियुक्तियों की पहली सूची जारी की है। छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस में संगठनात्मक नियुक्तियों की पहली सूची जारी कर दी गई है। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने प्रदेश के 17 जिलों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को मंजूरी दी है। इनमें रायपुर शहर और ग्रामीण, सरगुजा, बिलासपुर, दुर्ग समेत अन्य जिले शामिल हैं। जारी सूची के मुताबिक, रायपुर शहर की जिलाध्यक्ष प्रगति बाजपेयी और रायपुर ग्रामीण की बरखा साहू होंगी। बिलासपुर शहर की जिम्मेदारी प्रीति पटनवार और बिलासपुर ग्रामीण की जिम्मेदारी सीमा पांडे को सौंपी गई है। वहीं, दुर्ग शहर की जिलाध्यक्ष प्रेमलता साहू और दुर्ग ग्रामीण की जिलाध्यक्ष योगिता चंद्राकर होंगी।

» रायपुर शहर की जिम्मेदारी प्रगति बाजपेयी और ग्रामीण की बरखा साहू को मिली

इन जिलों में भी हुई नियुक्तियां : सरगुजा में अनीमा केरकेट्टा को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। सूरजपुर शहर की जिम्मेदारी लिली राजवाड़े और सूरजपुर ग्रामीण की जिम्मेदारी बबीता गुप्ता को सौंपी गई है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई से आरती महोबिया, गरियाबंद से मंजू ध्रुव और बलौदाबाजार-भाटापारा से ललिता यादव को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर शहर से रूमा चटर्जी, कबीरधाम से अन्नपूर्णा चंद्राकर, रायगढ़ से संगीता गुप्ता, रिसाली (भिलाई नगर) से शशि सिन्हा और मुंगेली से उर्मिला यादव को जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।



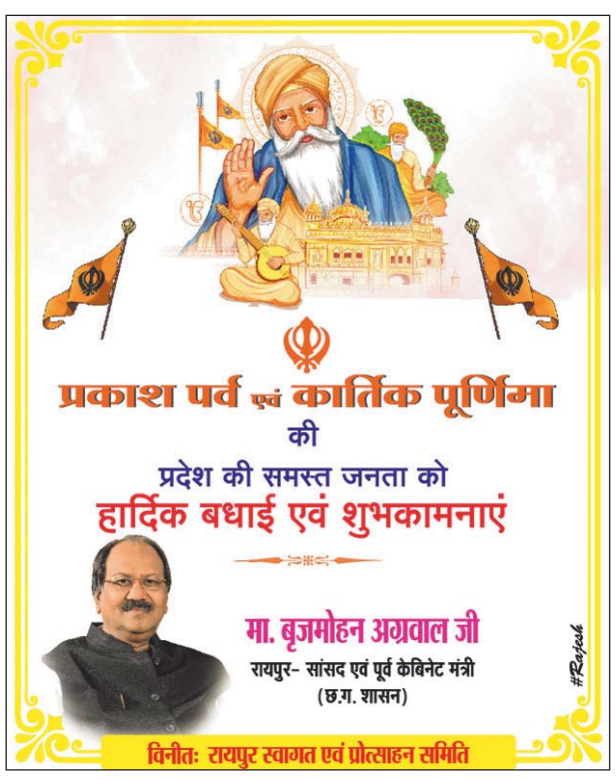

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26